

विचार बिन्दु

झूठ, कपट, चोरी, व्यभिचार आदि दुराचारों की वृत्तियों के नष्ट हुए बिना एकाग्र होना कठिन है और एकाग्र हुए बिना ध्यान और समाधी नहीं हो सकती। –मनु

माननीय अपराधी

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता की आशाओं, आकांक्षाओं और विश्वास के प्रतीक होते हैं। सांसद और विधायक को सम्मानपूर्वक ‘माननीय’ कहा जाता है, क्योंकि उनसे कानून बनाने, शासन को दिशा देने और समाज में आदर्श स्थापित करने की अपेक्षा की जाती है। लेकिन जब बड़ी संख्या में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध गंभीर आपराधिक मामले घोषित हों, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि राजनीति में अपराध का प्रवेश किस सीमा तक स्वीकार्य हो सकता है?

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) के विश्लेषण के अनुसार 543 नवनिर्वाचित सांसदों में से 251, अर्थात लगभग 46 प्रतिशत, ने अपने चुनावी हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए। इनमें 170 सांसदों, यानी 31 प्रतिशत, ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, बलात्कार, अपहरण और महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। हालांकि यह स्पष्ट समझना आवश्यक है कि किसी व्यक्ति के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज होना दोष सिद्धि के समान नहीं है। 2024 में 27 निर्वाचित सांसदों ने अपने हलफनामों में पूर्व आपराधिक दोष सिद्धि भी घोषित की थी। इसलिए आरोप और सिद्ध अपराध के बीच कानूनी अंतर बनाए रखना जरूरी है।

राजस्थान की स्थिति भी इस चिंता से अलग नहीं है। 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव के बाद ADR के विश्लेषण में 199 विजयी उम्मीदवारों में से 61, अर्थात 31 प्रतिशत, ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए। इनमें 44, यानी 22 प्रतिशत, ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए। 2018 में ये आंकड़े क्रमशः 23 प्रतिशत और 14 प्रतिशत थे। अर्थात पांच वर्ष के अंतराल में घोषित आपराधिक मामलों वाले निर्वाचित विधायकों के अनुपात में वृद्धि दिखाई देती है।

यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल या विचारधारा की समस्या नहीं है। अलग-अलग दलों के निर्वाचित उम्मीदवारों के हलफनामों में आपराधिक मामलों की जानकारी सामने आती रही है। इससे स्पष्ट होता है कि समस्या व्यापक राजनीतिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया से जुड़ी है। इसलिए इसे दलगत चरम से देखने के बजाय लोकतांत्रिक सुधार के प्रश्न के रूप में देखना अधिक उचित होगा।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि राजनीतिक दल ऐसे उम्मीदवारों को टिकट क्यों देते हैं? चुनाव जीतने की क्षमता, स्थानीय प्रभाव, आर्थिक संसाधन, जातीय या सामाजिक समीकरण और संगठनात्मक ताकत जैसे अनेक कारणों का उल्लेख राजनीतिक विश्लेषणों में किया जाता है। लेकिन लोकतंत्र में ‘जीतने की क्षमता’ ही उम्मीदवार के चयन का अंतिम आधार नहीं हो सकती। जनता को यह जानने का अधिकार है कि किसी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को टिकट देने का निर्णय क्यों लिया गया।

इसी दिशा में सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों को आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों की जानकारी सार्वजनिक करने तथा ऐसे उम्मीदवारों के चयन के कारण बताने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि कारण केवल चुनावी ‘विजय की संभावना’ अर्थात ‘winnability’ पर आधारित नहीं होने चाहिए, बल्कि उम्मीदवार की योग्यता, उपलब्धियों और उपयुक्तता से संबंधित होने चाहिए। इसका

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि राजनीतिक दल ऐसे उम्मीदवारों को टिकट क्यों देते हैं? चुनाव जीतने की क्षमता, स्थानीय प्रभाव, आर्थिक संसाधन, जातीय या सामाजिक समीकरण और संगठनात्मक ताकत जैसे अनेक कारणों का उल्लेख राजनीतिक विश्लेषणों में किया जाता है। लेकिन लोकतंत्र में ‘जीतने की क्षमता’ ही उम्मीदवार के चयन का अंतिम आधार नहीं हो सकती। जनता को यह जानने का अधिकार है कि किसी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को टिकट देने का निर्णय क्यों लिया गया?

गंभीर आपराधिक मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है, उनके लिए अयोग्यता के प्रावधानों को अधिक प्रभावी और दीर्घकालिक बनाने पर विचार होना चाहिए। लोकतंत्र में दोष सिद्ध व्यक्ति और केवल आरोपी व्यक्ति के बीच स्पष्ट कानूनी अंतर बना रहना चाहिए। तीसरा, सांसदों और विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष या फास्ट-ट्रैक अदालतों की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। वर्यों तक मुकदमे लंबित रहने से आरोपी और पीडित दोनों प्रभावित होते हैं तथा राजनीति में आपराधिक मामलों की वास्तविक स्थिति अस्पष्ट बनी रहती है। समयबद्ध सुनवाई इस समस्या का महत्वपूर्ण समाधान हो सकती है।

चौथा, राजनीतिक दलों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। यदि कोई दल आपराधिक मामलों वाले व्यक्ति को उम्मीदवार बनाता है तो उसे सार्वजनिक रूप से यह बताना चाहिए कि उस व्यक्ति को टिकट देने का आधार क्या था और अपेक्षाकृत स्वच्छ पृष्ठभूमि वाले अन्य उम्मीदवारों को क्यों नहीं चुना गया।

पांचवां, गंभीर अपराध में न्यायिक हिरासत या दोष सिद्धि की स्थिति में जनप्रतिनिधि के पद पर बने रहने से संबंधित नियमों को अधिक स्पष्ट और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इस विषय में संवैधानिक संतुलन, प्राकृतिक न्याय और मतदाताओं के अधिकारों को ध्यान में रखना होगा।

इसके साथ राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र और पारदर्शिता बढ़ाना भी जरूरी है। उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति, शिक्षा और अन्य हलफनामे मतदाताओं के लिए सरल भाषा में आसानी से उपलब्ध होने चाहिए। चुनाव आयोग, मीडिया, नागरिक संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों को भी मतदाता जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

अंततः प्रश्न केवल यह नहीं है कि कितने ‘माननीयों’ पर आपराधिक मामले हैं। बड़ा प्रश्न यह है कि लोकतंत्र में ऐसे उम्मीदवारों के चयन को रोकने और उनकी पृष्ठभूमि की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक व्यवस्था कितनी गंभीर है। ‘माननीय’ शब्द केवल सम्मान का संबोधन नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है। राजनीति में अपराध का बढ़ता प्रभाव लोकतंत्र की गरिमा, कानून के शासन और जनता के विश्वास-तीनों के लिए चुनौती है।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपराध के आरोप और अपराध की सिद्धता में अंतर बनाए रखते हुए ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें चुनाव जीतने की क्षमता से अधिक महत्व स्वच्छ सार्वजनिक जीवन, योग्यता, पारदर्शिता और संवैधानिक जिम्मेदारी को मिले। राजनीतिक दलों, न्यायपालिका, चुनाव आयोग और मतदाताओं-सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है कि ‘माननीय’ शब्द की गरिमा बनी रहे।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (भूदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल

गुरुवार 1 अक्टूबर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत्-2083, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 4:27 तक, सिद्धि योग रात्रि 9:18 तक, तैलिल करण दिन 12:56 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।
ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह
आज कुमार योग रात्रि 4:27 से आरम्भ होगा। आज छठ का श्राद्ध, रोहिणी व्रत (जैन) है।
श्रेष्ठ चौघड़िया- शुभ सूर्योदय से 7:51 तक, चर 10:48 से 12:16 तक, लाभ अमृत 12:16 से 3:13 तक, शुभ 4:42 से सूर्यास्त तक।
राहुकाल- 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:23, सूर्यास्त 6:10



मेघ

आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।



तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।



वृष

व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। मानसिक तनाव दूर होगा।



वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।



मिथुन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। धन हानि का भय है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा।



धनु

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कर्क

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरपेशा व्यक्तियों के लिए दिन अच्छा रहेगा।



मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।



सिंह

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।



कुंभ

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अटक हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

निज के भीतर निज से इतर : कुंदन माली के सृजन और व्यक्तित्व का आलोचनात्मक अध्ययन



राजेन्द्र जोशी

साहित्य में कुछ रचनाकार ऐसे होते हैं जो स्वयं जितना लिखते हैं, उससे कहीं अधिक दूसरे रचनाकारों को पढ़ते, परखते और साहित्यिक परिदृश्य को समझने की दृष्टि विकसित करते हैं। कुंदन माली ऐसे ही रचनाकार हैं। हिंदी और राजस्थानी दोनों भाषाओं में समान अधिकार के साथ लिखने वाले कुंदन माली को मुख्यतः आलोचक के रूप में पहचान मिली है, लेकिन उनका रचनात्मक व्यक्तित्व आलोचना तक सीमित नहीं है। कविता, अनुवाद, सुजन, अनुसृजन और विभिन्न साहित्यिक विधाओं पर उनकी सतत सक्रियता ने उन्हें समकालीन साहित्य में एक विशिष्ट स्थान दिया है। इसी बहुआयामी व्यक्तित्व और सुजन को केंद्र में रखकर डॉ. सुरेश सालवी के संपादन में प्रकाशित पुस्तक ‘निज के भीतर निज से इतर’ का आना महत्वपूर्ण साहित्यिक घटना है।

किसी आलोचक पर आलोचनात्मक पुस्तक तैयार करना अपने आप में चुनौतीपूर्ण कार्य है। आलोचक सामान्यतः दूसरे रचनाकारों की रचनात्मकता को कसौटी पर कसता है, उनकी खूबियाँ और सीमाओं को सामने लाता है, साहित्यिक प्रवृत्तियों की पहचान करता है और अपने समय के साहित्य का मूल्यांकन करता है। ऐसे में जब वही आलोचक स्वयं आलोचना का विषय बनता है तो उसके लेखन के

साथ-साथ उसकी दृष्टि, वैचारिकता, रचना-संबंधी सरोकार और साहित्यिक व्यवहार को भी समझना आवश्यक हो जाता है। ‘निज के भीतर निज से इतर’ इस चुनौती को स्वीकार करती दिखाई देती है।

पुस्तक की विषय-वस्तु से स्पष्ट है कि संपादक ने कुंदन माली को किसी एक खांचे में रखकर देखने के बजाय उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग आयामों को सामने लाने का प्रयास किया है। पुस्तक में ‘जीवन वृत्त एवं व्यक्तित्व’ से लेकर उनकी आलोचना-दृष्टि, सुजन और अनुसृजन, कविता, अनुवाद तथा मित्रता और मानवीय संबंधों तक पर सामग्री शामिल है। इस दृष्टि से पुस्तक केवल किसी साहित्यकार का परिचयात्मक ठाँठ नहीं रह जाती, बल्कि एक ऐसे रचनाकार को समझने का प्रयास बनती है जिसकी साहित्यिक उपस्थिति अनेक स्तरों पर निर्मित हुई है।

डॉ. मंजु चतुर्वेदी का ‘कुंदन माली की आलोचना दृष्टि और विचार’ जैसे आलेख इस बात की पड़ताल करते हैं कि माली की आलोचना का आधार क्या है और वे रचना को किस दृष्टि से देखते हैं। इसी क्रम में डॉ. हुसैन बोहरा का ‘सृजन से अनुसृजन की यात्रा’ उनके रचनात्मक विस्तार को दूसरे कोण से देखने का अवसर देता है। डॉ. महेंद्र भानावत का ‘कवि समीक्षक कुंदन माली’ आलोचक के भीतर मौजूद कवि को तलाशता है। यानी पुस्तक यह स्थापित करने की कोशिश करती है कि कुंदन माली की आलोचना को उनकी सृजनात्मक चेतना से अलग करके नहीं समझा जा सकता।

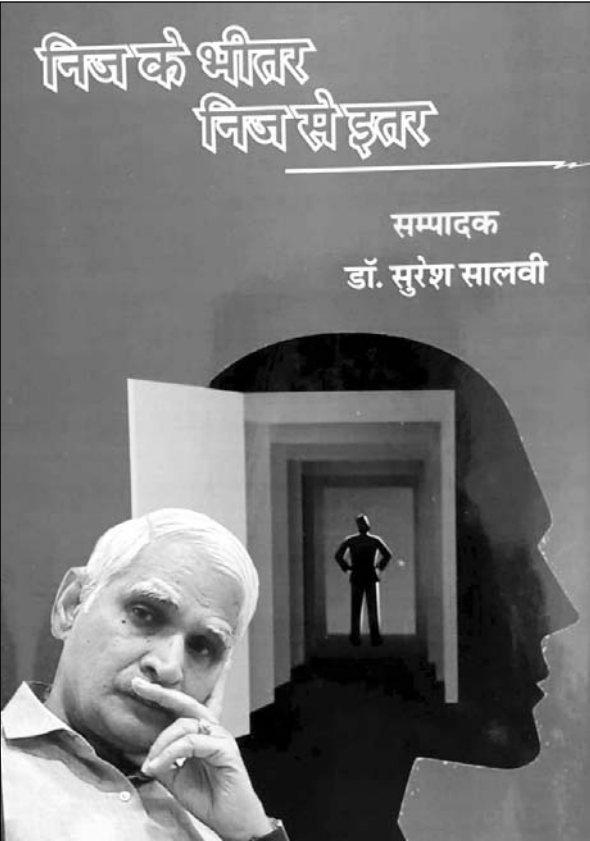
कुंदन माली की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में उनकी बहुभाषिक साहित्यिक सक्रियता है। हिंदी और राजस्थानी दोनों में लेखन करते हुए उन्होंने अनेक रचनाकारों, विधाओं और साहित्यिक प्रवृत्तियों पर विचार किया है। राजस्थानी समीक्षा के संदर्भ में जितेन्द्र निर्मोही का आलेख उनके योगदान को रेखांकित करता है, जबकि डॉ. भरत सिंह ओला का ‘बहुभाषिक सुजन और

आलोचना के शिखर पुरुष’ शीर्षक उनके साहित्यिक विस्तार की ओर संकेत करता है। यहां ‘बहुभाषिकता’ केवल भाषा बदलने का मामला नहीं है; यह अलग-अलग भाषाई संस्कृतियों और साहित्यिक संवेदनाओं के बीच संवाद स्थापित करने की क्षमता भी है।

कुंदन माली के व्यक्तित्व का एक दूसरा पक्ष उनका मित्रवत और सहज स्वभाव है। साहित्य में आलोचक की छवि कई बार कठोर और दूरी बनाए रखने वाले व्यक्ति की बन जाती है, लेकिन माली के संदर्भ में यह छवि पूरी तरह लागू नहीं होती। वे ‘यारों के यार’ कहे जाने वाले साहित्यकार हैं। मालचंद तिवाड़ी का ‘कुंदन जी आप तो ऐसे न थे!’ और माणक टो. गौड़ का ‘मित्रता की कसौटी पर खरा उतरने वाला सखा’ जैसे आलेख इस मानवीय पक्ष को सामने लाते हैं। इन आलेखों की उपस्थिति महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी रचनाकार का मूल्यांकन केवल उसकी प्रकाशित पुस्तकों से नहीं, उसके सामाजिक और मानवीय व्यवहार से भी जुड़ता है।

पुस्तक में डॉ. सुरेश सालवी का ‘सहज रचनाकार, प्रखर अध्येता और सजग समीक्षक’ तथा कमल रंगा का ‘कविता, आलोचना और अनुवाद की त्रिवेणी’ जैसे आलेख कुंदन माली के बहुआयामी साहित्यिक व्यक्तित्व को समेटते हैं। वहाँ ‘आलोचना भी रचना है’ जैसी अवधारणा उनके आलोचक रूप को समझने की एक महत्वपूर्ण कुंजी उपलब्ध कराती है। अच्छी आलोचना केवल निर्णय सुनाना नहीं होती; वह रचना के भीतर प्रवेश कर उसके अर्थ-संसार को पाठक के सामने खोलने की रचनात्मक प्रक्रिया भी होती है। कुंदन माली की आलोचना को समझने में यह दृष्टि उपयोगी है।

इस पुस्तक को सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि यह कुंदन माली को केवल ‘आलोचक’ बनाकर प्रस्तुत नहीं करती। वह कवि है, अनुवादक है, अध्येता है, समीक्षक है और सबसे बड़कर साहित्य के प्रति निरंतर सक्रिय रहने वाले व्यक्ति है। दूसरे रचनाकारों पर लिखते-लिखते स्वयं आलोचना का विषय बन जाना



किसी साहित्यकार की दीर्घ साहित्यिक यात्रा का प्रमाण भी है। ‘निज के भीतर निज से इतर’ इसलिए भी उल्लेखनीय है कि यह कुंदन माली के बहाने हमारे समय की आलोचना और आलोचक की भूमिका पर विचार करने का अवसर देती है। जो व्यक्ति वर्षों तक दूसरों की रचनाओं का विवेचन करता रहा, उसके अपने साहित्यिक व्यक्तित्व को अनेक रचनाकारों की दृष्टि से पढ़ना निश्चित रूप से अर्थपूर्ण अनुभव है। डॉ. सुरेश सालवी का संपादकीय श्रम इस अर्थ में महत्वपूर्ण है कि उन्होंने कुंदन माली के भीतर के ‘निज’ को उनके साहित्यिक संसार से बाहर के ‘इतर’ से जोड़कर देखने की कोशिश की है। अंततः यह पुस्तक कुंदन माली के व्यक्तित्व और कृतित्व का अंतिम मूल्यांकन नहीं, बल्कि उनके

साहित्य को नए सिरे से पढ़ने का एक आमंत्रण है। आलोचक को आलोचना के केंद्र में रखकर तैयार की गई यह पुस्तक साहित्य में आलोचक की भूमिका, उसकी मानवीय संवेदना और उसके रचनात्मक विस्तार-तीनों पर विचार का अवसर देती है। कुंदन माली ने जिस तरह अनेक विधाओं और अनेक लेखकों को अपनी आलोचनात्मक दृष्टि का विषय बनाया, उसी तरह अब ‘निज के भीतर निज से इतर’ उनके अपने साहित्यिक संसार को पाठकों और आलोचकों के सामने विचार का विषय बनाती है। यही इस पुस्तक का वास्तविक महत्व है। यह महत्वपूर्ण पुस्तक अंकुर प्रकाशन उदयपुर से प्रकाशित हुई।
–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

जाति, धर्म से दूर, एक देश – एक कानून समान नागरिक संहिता



प्रो. कैलाश सोडानी

समान नागरिक संहिता (Uniform CivilCode) के अन्तर्गत देश के सभी नागरिकों के लिए, विवाह, तलाक, वसीयत, उत्तराधिकार और लीव-इन जैसे व्यक्तिगत मामलों में सभी के लिए एक समान कानूनों का होना। जाति, धर्म एवं लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा।

धर्म एवं जाति के आधार पर बने हुए तथा क्रियाशील अलग-अलग पर्सनल लॉ समवत होंगे। सभी समुदायों के लिए एक जैसे नियम-कानून होने से आपसी एकता एवं सद्भाव की भावना मजबूत होगी। महिलाओं को सम्पत्ति, उत्तराधिकार

और तलाक के मामले में पुरुषों के समान अधिकार मिलेंगे। जिससे समाज में पुरुष प्रधानता वाली मानसिकता समाप्त होगी।

समान नागरिक संहिता भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के लक्ष्य को पूरा करता है, जिसमें देश के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून बनाने की अपेक्षा की गयी है। सभी धर्मों के लोगों के लिए विवाह, तलाक और सम्पत्ति के संबंध में एक जैसे अधिकार होंगे। शादी एवं तलाक का रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक होगा। एक से अधिक विवाह करने की प्रथा पर प्रतिबन्ध लगेगा। पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में बेटा एवं बेटों को बराबर हिस्सा मिलेगा।

किसी भी व्यक्ति को पहले पति या पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरा विवाह करने की अनुमति नहीं होगी। दूसरी शादी के लिए पहले कानूनी तलाक लेना अनिवार्य है। मौखिक या एकतरफा तलाक (जैसे तीन तलाक) जैसी प्रथाएँ प्रतिबंधित एवं दण्डनीय होंगी। तलाक के मामलों में सभी समुदायों को एक समान कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा।

विवाह के व्यवस्थित पंजीकरण से किसी महिला या पुरुष को अपने

वैवाहिक सम्बन्ध प्रमाणित करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। विवाह प्रमाण-पत्र भरपूर-पोषण, तलाक, उत्तराधिकार बीमा से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण एवं कानूनी दस्तावेजका काम करता है।

वर्तमान समय में लिब-इन-रिलेशन को नजरअन्दाज नहीं कर सकते। लिब-इन सम्बन्धों के पंजीकरण से चीजों में स्पष्टता एवं पारदर्शिता आयेगी। ऐसे सम्बन्धों को कानूनी स्वरूप प्रदान करने से सम्बन्धित पक्षकारों में जिम्मेदारी का अहसास होगा और उनसे जन्म लेने वाले बच्चों के अधिकारों को मान्यता मिलेगी। किसी बच्चे के अधिकार माता- पिता की वैवाहिक स्थिति पर निर्भर नहीं होने चाहिये।

भारतीय परिवारों में सम्पत्ति-विवाद का एक बड़ा कारण उत्तराधिकार और वसीयत को लेकर अस्पष्टता है। वसीयत के कानूनी पंजीकरण से विवाद एवं धोखाधड़ी की सम्भावना को समाप्त किया जा सकता है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सम्पत्ति के हस्तान्तरण को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। इससे न्यायालयों में समय खराब करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हमारे देश के आदिवासियों की अपनी संस्कृति और पहचान है। भारतीय संविधान ने इसे स्वीकार किया है; इसलिए समानता की आड़ में दूसरों के पर्सनल लॉको आदिवासियों पर थोपना गलत होगा। उनकी गरिमा एवं गौरव को आघात लेगा। संविधान इस समुदायों की सांस्कृतिक पहचान और उनके पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करता है।

जनजातीय संस्कृति और जीवन-शैली का समान करने के दृष्टिकोण से राजस्थान की भील, गौड़, कोरक, बैगा, सहारेया और भारिया जैसी जनजातियाँ पर यह कानून लागू नहीं होगा।

आजादी के साथ ही देश के सभी धर्मों के नागरिकों के लिए एक समान कानून बन जाने चाहिये थे। जिससे अलग-अलग धर्मों के लोगों में निकटता आती एवं एकरूपता विकसित होती। देश के गृहमंत्री समान नागरिक संहिता को सम्पूर्ण देश में लागू करने के सम्बन्ध में गम्भीरता से प्रयास कर रहे हैं। जनवरी, 2025 में उत्तराखण्ड से इसक शुरुवाद हो चुकी है। गुजरात, असम एवं मध्यप्रदेश की विधानसभाओं में यूसीसी विधेयक पारित हो चुका है। यथाशीघ्र यहाँ यहलागू भी हो जायेगा। गोवा में

आजादी से पहले ही पुर्तगाली सिविल कोड के रूप में यूसीसी लागू है।

सभी धर्मों की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ईमानदारी से किया जाना वाला प्रयास यूसीसी है। कुछ लोग इसे अल्पसंख्यकों की धार्मिक पहचान को कमजोर करने एवं बहुसंख्यकों के आधिपत्य को स्थापित करने की दृष्टि से देख रहे हैं, जो निःसन्देह गलत है। नागरिकों में समानता के भाव के लिए एक देश में एक ही तरह के कानून बनाना और लागू करना हर सरकार की जिम्मेदारी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी सभी नागरिकों के लिए शरिया पर आधारित एक समान पारिवारिक कानून लागू है। वहाँ के हिन्दू नागरिकों को भी शरिया कानून का पालन करना होता है। वहाँ अलग-अलग धर्मों के लिए पृथक पर्सनल लॉ नहीं है। अमेरिका, रूस, यूरोपीय देशों में समान नागरिक संहिता लागू है। जिस रास्ते पर पूरी दुनियाँ चल रही है, उस रास्ते पर चलने के लिए हमें भी देरी नहीं करनी चाहिये।

–प्रो. कैलाश सोडानी,
पूर्व कुलगुरु,
वर्धमान महावीर खुला
विश्वविद्यालय, कोटा

श्रीराम दयाल महाराज का अभिनंदन

भीलवाड़ा। रामस्नेही संप्रदाय के अंतरराष्ट्रीय जगतगुरु अनंत विभूषित पीठाधीश्वर स्वामी श्री राम दयाल जी के 71 वें अवतरण दिवस की भीलवाड़ा प्रेस सोसायटी के पदाधिकारियों ने बधाई दी और बुधवार को तत्खीर भेंट कर राम द्वारे में उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर प्रेस सोसायटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ जोशी

द्वारा लिखी गई कविता का श्रद्धालुओं के समक्ष वाचन किया गया , स्वामी ने उपस्थित पत्रकारों को आशीर्वाद प्रदान कर कहा की भीलवाड़ा के पत्रकारागण समाज के सजक प्रहरी हैं और सदैव सकारात्मक पत्रकारिता से समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं उन्होंने विश्व शांति और भारत के विकास के लिए अहिंसा के मार्ग पर

■ अगर देश के सभी दल आत्मीयता के भाव से एक हो जाएंगे तो आतंकवाद , अत्याचार समाप्त होगा।

चलने का संदेश दिया उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी

एकता अखंडता और सद्भाव पर निर्भर करती है उन्होंने कहा कि इसके लिए सनातन धर्म पर चलने का मार्ग सबसे श्रेष्ठ है।

सर्व धर्म को एक माला में पिरोने के लिए हमें क्या करना चाहिए पत्रकारों द्वारा पूछे गए इस सवाल पर उन्होंने कहा कि “माला के मोतियों की फितरत है बिखर जाने की मगर धागे की जिद है उन्हें बांधे रखने की

” अगर देश के सभी दल एकाग्रता से आत्मीयता के भाव से अगर एक हो जाएंगे तो इस देश से आतंकवाद , अत्याचार और अन्याय समाप्त होगा। अभिनंदन कार्यक्रम में प्रेस सोसायटी के अध्यक्ष विश्वनाथ पाराशर, महासचिव शहजाद खान, उपाध्यक्ष बृजेश शर्मा, कोषाध्यक्ष सत्यदेव पाराशर, रमेश तोषनीवाल सहित कई अनुयाई उपस्थित थे।



राजस्थान सरकार

सेवा संकल्प अभियान - जन सेवा ही प्रभु सेवा

(17 सितम्बर-17 अक्टूबर 2026)



चूरु, झुंझुनूं एवं सीकर जिलों के
₹1277.07 करोड़
के 83 विकास कार्यों का
शिलान्यास एवं लोकार्पण



शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, पेयजल, सार्वजनिक निर्माण, पशुपालन, खेल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के सुदृढीकरण से हो रहा कायाकल्प

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

शिलान्यास

राजगढ़ के धनौती में हंसियावास जलाशय परिसर के कृत्रिम जलाशय का निर्माण कार्य
(लागत राशि 800 करोड़ रुपए)चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 4 कार्य
(लागत राशि 41.97 करोड़ रुपए)सार्वजनिक निर्माण विभाग के 4 कार्य
(लागत राशि 32.50 करोड़ रुपए)ऊर्जा विभाग के 4 कार्य
(लागत राशि 9.47 करोड़ रुपए)

लोकार्पण

ऊर्जा विभाग के 6 कार्य (लागत राशि 296.30 करोड़ रुपए)

चिकित्सा शिक्षा विभाग के 12 कार्य (लागत राशि 36.85 करोड़ रुपए)

स्कूल एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के 27 कार्य (लागत राशि 13.72 करोड़ रुपए)

अल्पसंख्यक मामलात विभाग के 3 कार्य (लागत राशि 12.93 करोड़ रुपए)

सार्वजनिक निर्माण विभाग के 6 कार्य (लागत राशि 12 करोड़ रुपए)

आई.टी.आई. मंडावा का भवन निर्माण (लागत राशि 10.46 करोड़ रुपए)

पशुपालन विभाग के 12 कार्य (लागत राशि 5.22 करोड़ रुपए)

जिला परिवहन कार्यालय भवन खेतड़ी का निर्माण (लागत राशि 2.77 करोड़ रुपए)

बास्केट बॉल एकेडमी जिला स्टेडियम, सीकर (लागत राशि 2 करोड़ रुपए)

पड़िहारा-लोहा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना, रतनगढ़ (लागत राशि 1 करोड़ रुपए)



01 अक्टूबर, 2026 | दोपहर 1:15 बजे | खेल मैदान, चमड़िया कॉलेज, फतेहपुर, सीकर

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

जोधपुरिया धाम में सिलेंडर फटने से लगी आग, 12 दुकानों को चपेट में लिया करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया

टोंक (निसं)। जिले के निवाई उपखण्ड में स्थित देवधाम जोधपुरिया मंदिर में बुधवार तड़के दुकानों में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि 12 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार आग दुकान में रखे सिलेंडर के फटने से लगी।

निवाई सदर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 4 बजे देवधाम जोधपुरिया परिसर में एक दुकान में दुकानदार चाय बनाने के लिए सिलेंडर चालू कर रहा था। इस दौरान अचानक सिलेंडर में आग लग गई। आग लगते ही दुकानदार तुरंत दौड़कर बाहर की ओर भागा, आग इतनी भीषण थी कि आसपास मौजूद करीब 12 दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें प्रसाद,



टोंक जिले के निवाई उपखण्ड में स्थित देवधाम जोधपुरिया मंदिर में बुधवार तड़के दुकानों में आग लगने से कॉस्मेटिक, फैसी सामान जल कर खाह हो गया।

■ बुधवार सुबह करीब 4 बजे देवधाम जोधपुरिया परिसर में एक दुकानदार चाय बनाने के लिए सिलेंडर चालू कर रहा था। इस दौरान अचानक सिलेंडर में आग लग गई। आग लगते ही दुकानदार बाहर भागा

के बाद आग बुझाई गई। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आगजनी में दुकानों में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। फिलाहल मौके पर पटवारी और पुलिस नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

भीलवाड़ा। बाल विवाह के सामाजिक दंश और एक नाबालिग की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। आसींद क्षेत्र निवासी एक बालिका, जिसका कि विवाह करीब डेढ़ वर्ष पूर्व बाल्य अवस्था में हुआ था, की उसके ससुराल में संदिग्ध हालात में मौत हो

मुख्यमंत्री ने निकाय चुनावों में बाड़मेर, जैसलमेर व बालोतरा में भाजपा के शानदार प्रदर्शन पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी

नगर निकाय चुनाव की जीत की ऊर्जा लेकर अब पंचायती राज चुनाव में जुटें कार्यकर्ता

बाड़मेर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा में नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के शानदार प्रदर्शन के लिए कार्यकर्ताओं एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुल 204 निकायों में भाजपा ने अपना बोर्ड बनाया है। यह ऐतिहासिक विजय संगठन और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाड़मेर के दोनों निकायों में हम विजयी रहे और 15 वर्षों बाद यहां भाजपा का बोर्ड

पायलट के संदेश के बाद कांग्रेस में उत्साह



कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने विराटनगर, पावटा-प्रागपुरा नगरपालिकाओं में कांग्रेस की जीत पर नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को हार्दिक बधाई।

पावटा(निसं)। विराटनगर एवं पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों में उत्साह का माहौल है। कांग्रेस पूर्व डिप्टी सीएम व वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने दोनों नगरपालिकाओं में कांग्रेस की जीत पर सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए निरंतर जनसेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संदेश दिया। कोटपूतली-बहरोड कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व में पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के नवनिर्वाचित चेयरमैन

मीना देवी पत्नी अजय सैनी एवं वाइस चेयरमैन सोमवती मीणा पत्नी जगदीश मीणा व विराटनगर नगरपालिका चेयरमैन देशराज सैनी, वाइस चेयरमैन महेश कुमार बलाई का स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों जनप्रतिनिधियों को जीत की बधाई देते हुए आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नगरपालिका में कांग्रेस को मिले जनसमर्थन के पीछे संगठन की एकजुटता और जनता का विश्वास महत्वपूर्ण रहा है। वहीं नवनिर्वाचित चेयरमैन एवं वाइस चेयरमैन ने जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने तथा नगरपालिका क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने का भरोसा दिलाया।

DIRECTOR WORKS (EO)
Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner
क्रमांक : F / JDW(EO)/RAJUVAS/2026-27/451 - 64 दिनांक :- 28/09/2026

निविदा सूचना संख्या 04 वर्ष 2026-2027
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदकों से ई-टेंडरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बंधित विवरण वेब साईट www.sppp.raajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : VAU2627WSOB00086
रज.संवाद/सी/26/11009

निदेशक कार्य
राजपुर, बीकानेर

कार्यालय ग्राम पंचायत सांकरणा, पं. स. जालोर जिला जालोर
क्रमांक / ग्राम / 2026-27/83 दिनांक : 29/09/2026

निविदा सूचना संख्या 04/2026-27
ग्राम पंचायत सांकरणा द्वारा कुल 1 कार्य हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन भरी जावेगी। निविदा के सम्बंधित विवरण वेब साईट <http://sppp.raajasthan.gov.in>, <https://eproc.raajasthan.gov.in> एवं ग्राम पंचायत नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।
NIB No.: ZJR2627A0883
प्रभावक
ग्राम पंचायत सांकरणा
पंचायत समिति जालोर (राज.)

UBN No.: ZJR2627WSOB01130
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत सांकरणा
पंचायत समिति जालोर (राज.)

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रचारित राशि सूर्यो: **कार्यालय संभलजी बुद्ध अमिता (अजयपुर संभाग)** पुराना पीपल हट्टन, काँलाह, जयपुर
टेलीफोन :- 0141- 2201489, ई-मेल: scs@jvsnl.com

ई-निविदा सूचना
ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के जयपुर शहर वृत्त-दक्षिण के अधिकार क्षेत्र में टीएन-220 के तहत एएससी 2025 पर विद्युत लाइन हेतु योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल <http://www.eproc.raajasthan.gov.in> पर दिनांक 30.09.2026 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाएं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 13.10.2026 को सायं 04:00 बजे तक ही स्वीकार की जायेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.raajasthan.gov.in/jvsnl, <http://www.sppp.raajasthan.gov.in> एवं <http://eproc.raajasthan.gov.in> से प्राप्त की जा सकती है। UBN : VVN2627WSOB00488
रज.संवाद/सी/26/10973

ओईआर - 3237 (2026) संभलजी बुद्ध अमिता (अजयपुर संभाग)
बिक्री विवरणों के लिए टीए प्री कलर 1800 180 6507

Municipal Council Dholpur
S.No. - 144 Date --29.09.2026

Corrigendum
Name of work :- सीसी पेच रिपेयर कार्य वार्ड नं 01 से 30 तक, सीसी पेच रिपेयर कार्य वार्ड नं 31 से 60 तक आमंत्रित की गई थी। जिसमें निविदा तिथियों में निम्नांकित से संशोधन किया जात है।
Nitto. -- E-17
UBN NO. -- DLB2627WSOB20549, DLB2627WSOB20550

Event	Earlier	Revision
Online submission End date and time	07.10.2026 upto 6 PM	10.10.2026 upto 6 PM
Technical Bid open date and time	08.10.2026 at 2 PM	12.10.2026 at 2 PM

Commissioner
Municipal Council Dholpur
Raj.Samwad/C/26/11024

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त बारां
क्रमांक : 2022 दिनांक : 24/09/2026

निविदा सूचना संख्या 15/2026-27
राजस्थान के राजस्थान महोदय की ओर से उपखण्ड कार्यालय अट्क का निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट <http://diipr.raajasthan.gov.in> व <http://pwd.raajasthan.gov.in> <http://eproc.raajasthan.gov.in> पर देखा जा सकता है। यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट <http://eproc.raajasthan.gov.in> पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त बारां
DIPR/C/16593/2026

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/178 - 180 Date :- 23/09/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 47/2026-27
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य मय डिफेक्ट लाईमिलिट्री अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेंडरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-
निविदा कार्यो की कुल लागत
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/
अपलोड करने की अवधि
Online EMD, Tender Fee & Processing
Fee जमा कराने की तिथि
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि

28.09.2026 को प्रातः 10.00 बजे से
28.09.2026 को प्रातः 10.00 बजे तक
28.09.2026 को प्रातः 10.00 बजे से
21.10.2026 को प्रातः 6.00 बजे तक
21.10.2026 को प्रातः 6.00 बजे तक
22.10.2026 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.raajasthan.gov.in/uitdaipur, www.eproc.raajasthan.gov.in व www.sppp.raajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2627WSOB00296 To ITU2627WSOB00309
अधीक्षाी अभियन्ता - विद्युत
उदयपुर विकास प्राधिकरण
रज.संवाद/सी/26/10977

वरिष्ठ साहित्यकार आशा पाण्डेय ओझा को मिलेगा “गंगा दुलारी शुक्ला” स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार

राष्ट्रीय बालसाहित्य संगोष्ठी व सम्मान समारोह तीन से जयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार एवं त्रिसुधांघ्रि साहित्य, कला एवं संस्कृति संस्थान, उदयपुर की संस्थापक अध्यक्ष आशा पाण्डेय ओझा ‘आशा’ का चयन प्रतिष्ठित ‘गंगा दुलारी शुक्ला स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार’ के लिए किया गया है। यह सम्मान ‘बालवाटिका’ मासिक की ओर से आयोजित 27वीं राष्ट्रीय बालसाहित्य संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह-2026 में प्रदान किया जाएगा।

‘बालवाटिका’ के संपादक व कार्यक्रम के आयोजक वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. भैरूलाल गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय बालसाहित्य संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन 3 एवं 4 अक्टूबर 2026 को विनायक विद्यापीठ, धुनास, जिला-भीलवाड़ा (राजस्थान) में किया जाएगा। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए बाल साहित्यकारों की सहभागिता रहेगी तथा चयनित साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा। आशा पाण्डेय ओझा को अनुवाद भी हो चुका है। साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें अब तक विभिन्न साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा 200 से



डॉ. आशा पाण्डेय ओझा

■ आशा पाण्डेय ओझा को सम्मान के साथ 11,000 की सम्मान राशि, स्मृति चिह्न, शॉल एवं श्रीफल प्रदान किया जाएगा।

■ सामाजिक चिंतक आशा पाण्डेय ओझा पिछले चार दशकों से साहित्य-सृजन में सक्रिय हैं। उनकी विविध विधाओं में अब तक 13 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी रचनाएं 40 से अधिक साझा काव्य/ साहित्यिक संकलनों में प्रकाशित हुई हैं। उनकी अनेक रचनाओं का, उर्दू, पंजाबी, उडिया गुजराती, भोजपुरी, नेपाली सहित कई भाषाओं में अनुवाद भी हो चुका है। साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें अब तक विभिन्न साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा 200 से

Government Of Rajasthan
कार्यालय प्रधानाचार्य, श्री जगन्नाथ पहाड़िया चिकित्सा महाविद्यालय, भरतपुर
EMAIL- principal.mc.bharpr@rajasthan.gov.in
क्रमांक: मेडि. कॉले. / उपान समिति/2026/4271 दिनांक: 25/09/2026

निविदा प्रेस विज्ञप्ति
इस चिकित्सा महाविद्यालय में Annual Maintenance Rate Contract For Servicing, Repaire and Maintenance of Computer System with UPS, Printer, Photostate Machine Cam Scanner, Software हेतु राशि स्वये 2050000/- की ऑनलाइन निविदा किये जाने हेतु दोहरी निविदा प्रणाली (तकनीकी एवं वित्तीय) के अंतर्गत दिनांक 05.10.2026 को सांय 05.00 बजे तक इच्छुक पत्र संवेदकों/बोली दाताओं से ऑनलाइन निविदा दरे आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा से संबंधित शर्तें एवं अन्य आवश्यक जानकारी के लिए <https://sppp.raajasthan.gov.in> एवं <http://eproc.gov.in> पर देखी जा सकती है।
NIB CODE NO. -MBT2627A0017
UBN NO-MBT2627SL0800016
DIPR/C/16786/2026

(डॉ) निदेशक भास्कराज
प्रधानाचार्य
एसजीसी मेडिकल कॉलेज, भरतपुर

राजस्थान सरकार
कार्यालय उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग, चूरु
फोन नं.-:01562-250920, Email Id- ddchuru.wcd@rajasthan.gov.in
क्रमांक-1394 दिनांक- 25.09.2026

ई-बिड आमंत्रण सूचना 1/26-27 व 2/26-27
चूरु जिले के अन्तर्गत संचालित 226 आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका विकसित करने हेतु बिड सूचना संख्या 1/2026-27 व 226 आंगनवाड़ी केंद्रों पर मरम्मत एवं डिस्टेम्पर करने हेतु बिड सूचना संख्या 2/2026-27 दिनांक 25.09.2026 शाम 5 बजे से दिनांक 08.10. 2026 शाम 04 बजे तक ई-बिड आमंत्रित की जाती है। बिड दस्तावेज का पूर्ण विवरण www.sppp.raajasthan.gov.in व <https://eproc.raajasthan.gov.in> पर भी देखा और डाउनलोड किया जा सकता है।
एनओआईडी नं.- ICD2627A0081
यूबीएन नं.- ICD2627WSOB00089

(सुभाष बिश्नोई)
उपनिदेशक
महिला एवं बाल विकास विभाग
चूरु
DIPR/C/16680/2026

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR
(Government of Rajasthan Undertaking) CN NO. U453019201355003014, Regd. Office : 736, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: ripdd@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2026-27/D - 3689 दिनांक :- 28/09/2026

ई-निविदा सूचना सं. 27/2026-27
निम्नलिखित कार्यो के लिए राज्य /केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार एक वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में क्रम संख्या 01 से 14 तक की निविदा एकल बिड के तहत आमंत्रित की जाती है।
निविदा की कुल लागत
ऑन लाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख

रुपये 290.47 लाख
28 सितम्बर 2026 दोपहर 02:00 बजे से
11 अक्टूबर 2026 सांय 04:00 बजे तक
11 अक्टूबर 2026 सांय 06:00 बजे तक
12 अक्टूबर 2026 दोपहर 01:00 बजे

निविदा सम्बंधित जानकारी राजस्थान पुलिस की वेबसाइट www.police.raajasthan.gov.in/ www.sppp.raaj.nic.in/ एवं <http://eproc.raajasthan.gov.in> पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदकों को निविदा संबंधित जानकारी प्रबंध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उद्योगिक वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जाएगा।
UBN No.: RID2627WSOB00325 To RID2627WSOB00338

महाप्रबंधक
राजस्थान पुलिस आयातक संरचना विकास निगम लिमिटेड
राजस्थान, जयपुर।
रज.संवाद/सी/26/11023

जयपुर विकास प्राधिकरण
सुनिद्रा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: जविप्र/अधि.अभि.(विद्युत-चतुर्थ)/जाँव नं. 064-2026-27/डी-1155 दिनांक : 28.09.2026

निविदा सूचना
निविदा सूचना: जविप्र-08/2026-27
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Shifting/Dismantling of LT/HT lines and P&F of Street light at U-Turn New Sanganer road, B2 Bypass JDA, Jaipur" जिसकी अनुमानित लागत राशि रु. 149.54 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 09.10.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्र पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 09.10.2026 को सायं 6.00 बजे तक है निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.raajasthan.gov.in, www.eproc.raajasthan.gov.in and www.jda.raajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
(UBN No.: JDA2627WSOB00352)
निविदा में भाग लेने वालों को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी।
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.raajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.raajasthan.gov.in पर अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत-चतुर्थ)

रज.संवाद/सी/26/11060

जयपुर विकास प्राधिकरण
सुनिद्रा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: जविप्र/अधि.अभि.(विद्युत-1)/जाँव नं. 374/2026-27/डी-270 दिनांक : 28.09.2026

बिड आमंत्रण सूचना
बिड संख्या-14/2026-27
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Providing and Fixing of High Mast Light on Hare Krishna Marg (Mahal Road) Zone-09, JDA, Jaipur (Part-II)" जिसकी अनुमानित राशि रु. 68.38 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 09.10.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जयपुर विकास प्राधिकरण पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 09.10.2026 को सायं 6.00 बजे तक है निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.raajasthan.gov.in, www.eproc.raajasthan.gov.in and www.jda.raajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
(UBN No.: JDA2627WSOB00351)
निविदा में भाग लेने वालों को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी।
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.raajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.raajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत-1)

रज.संवाद/सी/26/11059

जयपुर विकास प्राधिकरण
सुनिद्रा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: जविप्र/अधि.अभि.(विद्युत-1)/जाँव नं. 104/2026-27/डी-266 दिनांक : 29.09.2026

बिड आमंत्रण सूचना
बिड संख्या-12/2026-27
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Shifting/Dismantling of LT/HT lines which are occurring hindrance during bridge widening work at Gyan Ashram School, Dravyavati River, JDA, Jaipur" जिसकी अनुमानित राशि रु. 67.92 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 09.10.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जयपुर विकास प्राधिकरण पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 09.10.2026 को सायं 6.00 बजे तक है निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.raajasthan.gov.in, www.eproc.raajasthan.gov.in and www.jda.raajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
(UBN No.: JDA2627WSOB00348)
निविदा में भाग लेने वालों को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी।
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.raajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.raajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत-1)

रज.संवाद/सी/26/11057

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशानराव बागडे होंगे और अथक्षता के केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत करेंगे। इस अवसर पर पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक डॉ अश्विन महेश दलवी और आरआईसी के निदेशक निहाल चंद गोयल भी मौजूद रहेंगे। यह जानकारी पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक डॉ. दलवी ने दी है।

#CINCINNATUS

Cabbages Over Dictatorship

The Roman farmer who chose duty over power



In the annals of Roman history, few names shine brighter as symbols of humility, civic virtue, and selfless leadership than Lucius Quinctius Cincinnatus. His story has echoed through centuries, not because of conquests or wealth, but because of a rare and admirable decision: after being granted near-absolute power as a Roman dictator, he gave it all up to return to his modest life as a cabbage farmer.

A Man of the Land
Cincinnatus was born into a patrician Roman family around the 5th century BCE, a time when the Roman Republic was still young and frequently threatened by both internal unrest and external enemies. Despite his noble roots, Cincinnatus lived a simple life and owned a small farm. He was known for his integrity and devotion to Rome, but he was not actively involved in politics when the Republic called upon him.

Called to Power in a Time of Crisis

In 458 BCE, Rome found itself in peril. An invading tribe, known as the Aequi, had trapped a Roman army in the mountains, and the Senate needed a strong, decisive leader to save them. They turned to Cincinnatus, appointing him dictator, a temporary role in the Roman Republic that granted absolute authority, but only for six months, and only during emergencies.

When the messengers from Rome arrived, they found Cincinnatus working in his field. According to legend, he was plowing his land when he was told he had been chosen to lead Rome. He put down his plow, donned his toga, and accepted the call of duty.

Swift Victory, Swift Resignation
Cincinnatus wasted no time. He took command, rallied new forces, and marched to relieve the trapped Roman

army. Within just sixteen days, he had defeated the Aequi, saved the Roman legions, and restored order.

What followed is what made Cincinnatus a legend. Rather than using his newfound power to consolidate control, extend his rule, or enrich himself, Cincinnatus resigned from his dictatorship immediately after the crisis was over. He returned to his farm and resumed life as a humble citizen.

A Model of Republican Virtue

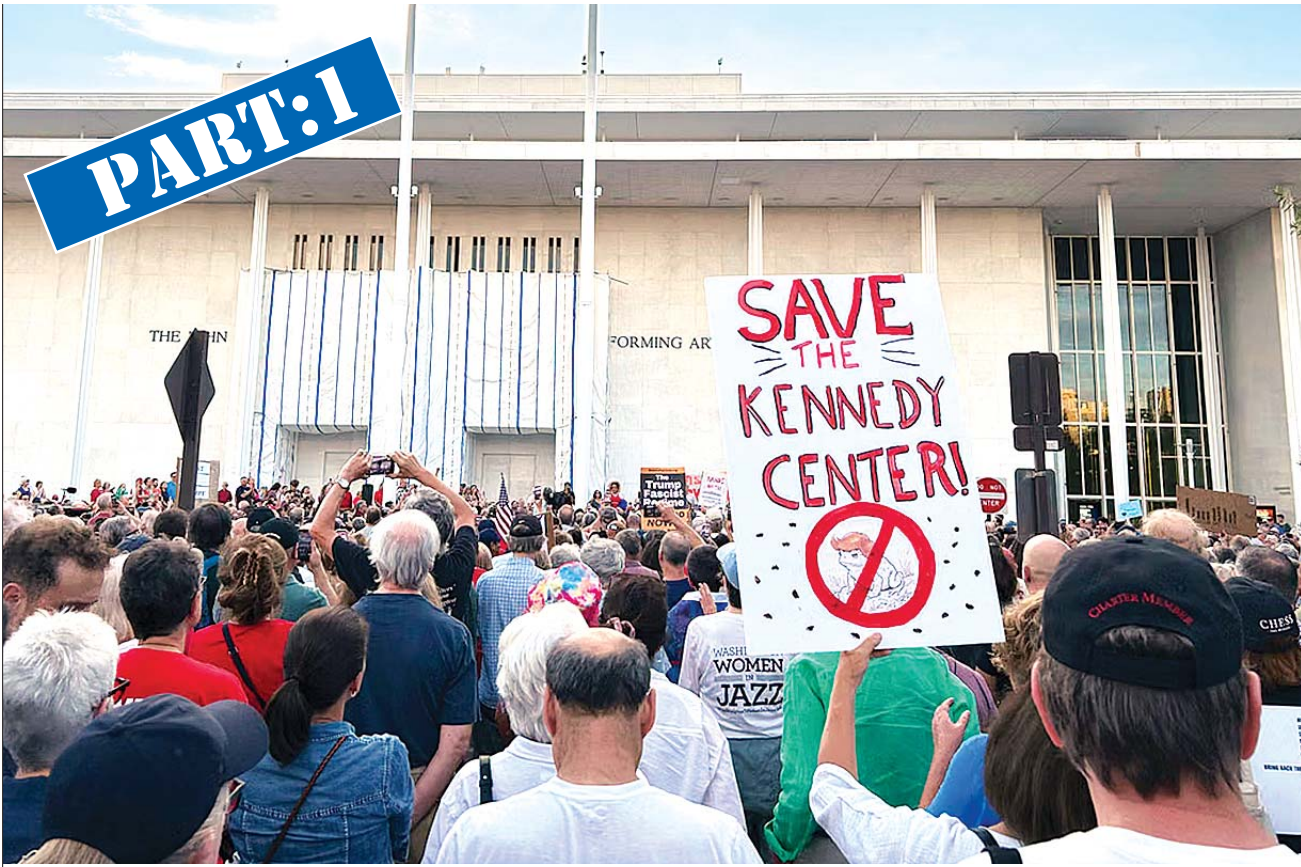
Cincinnatus became a powerful symbol of Roman ideals: self-discipline, patriotism, modesty, and the belief that power should only be used for the public good, and never held longer than necessary. His story became a lesson in leadership that true strength lies not in the ability to dominate, but in the wisdom to step aside.

Legacy in the Modern World

Cincinnatus's legacy lived on well beyond Rome. During the Enlightenment and the founding of modern republics, his example was often cited as the ideal leader, someone who serves the state selflessly and gives up power voluntarily. Most notably, George Washington was often compared to Cincinnatus for resigning his military commission after the American Revolution, and again, after serving two terms as U.S. President.

In fact, the American city of Cincinnati, Ohio, is named in Cincinnatus's honour, reflecting how deeply his values resonated with the architects of democracy.

In an age when power is often clung to, the story of Cincinnatus stands as a timeless reminder of what leadership can be at its best. He proved that greatness doesn't always come from conquest or control, sometimes, it comes from knowing when to step back, hang up your sword, and return to your cabbage field.



All About Trumptropy



A little science first

In science, entropy is, roughly, a measure of disorder. The second law of thermodynamics says that in an isolated system, one that exchanges nothing with the world outside, entropy never decreases. Things fall apart; they never tidy themselves up. Every Indian mother already knows this law. She has seen a teenager's room.

Note the word 'isolated.' A refrigerator can keep its interior cold and orderly, but only by pushing heat into the kitchen. Order needs exchange. Cut a system off from the world, and nothing can tidy it. Remember that the next time a country slaps tariffs on its friends.

The physicist Ludwig Boltzmann wrote a formula for it, and it is carved on his tombstone in Vienna: $S = k \log W$. Put simply, the more possible states a system can be in, the greater its disorder. Which brings me to a man whose every sentence can be in a great many possible states. I propose a new unit of measurement: Trumptropy, the amount of disorder that one statement from the President of the United States adds to the world. By Boltzmann's logic, it grows with the number of things he could mean. On a good day, that number is very large indeed.

And a little karma
In India, we are raised on a second law of our own: whatever you sow, you shall reap. It works reliably for ordinary people. Skip the gym, and your knees will remind you. Be rude to the maid, and she will not come on Monday. But for some people, karma appears to have opted for EMIs. Trump has lost an election, been impeached twice and been convicted on 34 counts. He survived an assassin's bullet and turned it into a fist-pump photograph. And yet, here he is at 80, richer than ever, sulking over a theatre's nameplate. Perhaps, he simply read the Gita upside

down. Lord Krishna told Arjuna that we have a right to our actions, never to their fruits. Trump seems to believe that he has a right only to the fruits, preferably a Nobel Prize with his name engraved on it. So, here is the puzzle of 2026. Entropy is working overtime. Karma seems to be on leave.

Where Trumptropy lands
This year, I discovered that world politics happens in the kitchen. On 28 February, America and Israel attacked Iran. Iran shut the Strait of Hormuz, a strip of sea only about 35 kilometres wide at its narrowest, roughly the distance from Jaipur to Chomu. Nearly 90 per cent of the cooking gas that India imports sails through it.

So, here is the puzzle of 2026. Entropy is working overtime. Karma seems to be on leave. This year, I discovered that world politics happens in the kitchen. On 28 February, America and Israel attacked Iran. Iran shut the Strait of Hormuz, a strip of sea only about 35 kilometres wide at its narrowest, roughly the distance from Jaipur to Chomu. Nearly 90 per cent of the cooking gas that India imports sails through it. When the ships stopped, the gas agencies were filled with queues and the gap between bookings went up from 21 days to 25. Hostels served lemon water instead of chai. For a nation that runs on chai, that is a national emergency.

In the seventies, Shashi Kapoor silenced Amitabh Bachchan with 'Mere paa maa hai' (I have mother). In March 2026, the proudest line in any Indian home was 'Mere paa gas hai' (I have gas).

I did what Indian women have always done in a crisis. I found a 'jugaad' (a workaround) and bought an induction cooker. It was meant to be a stand-by. Months later, I use it more than the gas. My cylinder depends on a ship crossing a sea at war. My induction cooker depends on electricity made mostly at home. Without meaning to, I had done in my kitchen what whole nations are now scrambling to do. I had stopped depending on one road.

In 1973, after another war involving Israel, Arab producers cut oil supplies and prices quadrupled. Papa tells me that in those days, they simply went everywhere on

#TRUMPTROPY



cycles. I have always believed history moves in cycles. In 1973, so did my father. So, where does all this disorder come from? After careful study, I have identified its laws.

The Zeroth Law: Friends of friends are not friends

In physics, if A is in balance with C, and B is in balance with C, then A and B are in balance with each other. In Trumptropy, India is Trump's friend. Pakistan is Trump's friend. India and Pakistan are still not friends. Trump has claimed, countless times, that he stopped last year's war between India and Pakistan. India has replied, just as many times, that he did not. Pakistan nominated him for the Nobel Peace Prize, and this April, it hosted his peace talks with Iran in Islamabad. The talks failed. The next day, America announced a naval blockade of Iran. But the photographs were lovely.

The First Law: Conservation of name

In physics, energy can neither be created nor destroyed. It only changes form. In Trumptropy, Trump's name can neither be created nor destroyed. It only moves from one building to another.

In July, Palm Beach International Airport in Florida became President Donald J. Trump International Airport. In August, even its three-letter code changed, to DJT. In December, the US Institute of Peace became the Donald J. Trump Institute of Peace. Within three months, America was bombing Iran. Nobody can say that the man lacks range.

Then came the Kennedy Center. America's national theatre, renamed the Donald J. Trump and John F. Kennedy Memorial Center. Please note the order: Kennedy was assassinated in office, and he still had to take the second seat. A court

ordered the name removed, and in June, the letters came down. On 15 September, after a judge refused to let them go back up, Trump said that the building would stay shut, unpaired, unless his name returned. The law holds. The name did not disappear. It simply moved into a sulk. I live in Jaipur, a city named after its founder, Sawai Jai Singh, so, I am in no position to lecture anyone about names. I will only point out that Jai Singh built the Jantar Mantar to study the stars. Trump is building a ballroom.

The Second Law: Disorder always increases

In Trumptropy, disorder increases with every post on Truth Social. Take the great Russian oil serial, which I have followed more faithfully than any saas-bahu show.

Episode 1 (last August): America is furious that India buys Russian oil. Half of the 50 per cent tariff on

our goods is marked 'for Russian oil.' The saas has spoken: 'Beta, you will not go to your mother's house.'

Episode 2 (February): A deal. Tariffs come down, and India, we are told, will stop buying Russian oil. The bahu touches the saas's feet. The background music swells. Episode 3 (6 March): The Gulf catches fire, and the saas has a new idea. America grants India 30 days to buy the Russian cargoes already stuck at sea. 'Beta, why don't you ask your mother to send some aachaar (pickle)?'

Episode 4 (the next day): The bahu politely reminds everyone that she never needed permission to visit her mother's house in the first place. Dramatic zoom. Three reaction shots. Commercial break. Ekta Kapoor could not have written it better. Her serials, at least, follow a script. If you are confused, congratulations. You have understood foreign policy.

The Third Law: The deadline that never arrives

In physics, absolute zero can never be reached. In Trumptropy, neither can a deadline. As it approaches zero, it is extended. Trump's favourite unit of time is 'two weeks.' He promised to end the Russia-Ukraine war in 24 hours; those hours have now lasted more than six hundred days. And in June last year, when he said that he would decide on striking Iran within two weeks, he struck in two days. The only thing more dangerous than a Trump deadline is a Trump deadline that arrives early.

Every Indian knows this law. It is the plumber who says 'kal aa jaunga' (I will come tomorrow).



International Coffee Day - Celebrating the World's Favourite Brew

Every year on October 1st, coffee lovers worldwide celebrate International Coffee Day, a tribute to the rich aroma, culture, and history of one of the world's most beloved beverages. From cozy cafés to bustling offices, coffee fuels conversations, creativity, and daily routines. The day highlights not only the joy of sipping a perfect cup but also raises awareness about the farmers and communities behind every bean. It's a celebration of connection, culture, and craftsmanship, inviting everyone to savour, appreciate, and share the global love for coffee that transcends borders and brings people together.



The Fourth Law: The conservation of flattery

Atoms cannot be flattered. World leaders, it turns out, can. In Trumptropy, praise is inversely proportional to tariffs. NATO's chief called him 'Daddy.' Qatar offered him a luxury jumbo jet. Pakistan nominated him for the Nobel. And in June, Hyderabad named a road near the US Consulate 'Donald Trump Avenue,' and Trump thanked India for it. Flattery is the cheapest insurance policy ever sold. The premium is one compliment a month.

The exception is China. It did not flatter. It hit back with tariffs and squeezed the rare earths America's factories need. It got a truce anyway, and this month, Xi Jinping ended his White House visit with tea. Some call this pattern 'TACO': Trump Always Chickens Out.' Not always. But often enough to make the rest of the world wonder why it bothered with the compliments.

Measuring the unmeasurable

So, how much Trumptropy is there in the world today? At the United Nations on 22 September, Trump said: 'I have a big decision to make: Will a deal be made with Iran that lets them rebuild ... or do I annihilate the Islamic Republic, and do it quickly?' In the same speech, he complained that Iran was stalling 'to see how I do in the midterm election,' explained at some length that he was not running, and then said that the election 'doesn't even enter my mind.' One speech, two realities. Boltzmann would need a bigger tombstone.

That night, Papa was watching an old Mahabharata rerun, and I dozed off beside him somewhere between the dice game and the war. I dreamt that a man with a mace, a crown and a very long grievance woke up in 2026, switched on the news, and recognised a brother.

The last time a family business refused to share even five villages, it ended in a war that swallowed almost every kingdom from Gandhar in today's Afghanistan to Pragyojishna in today's Assam. Is another Mahabharata due? Tomorrow, I will let Duryodhana meet Trump, and we will find out.

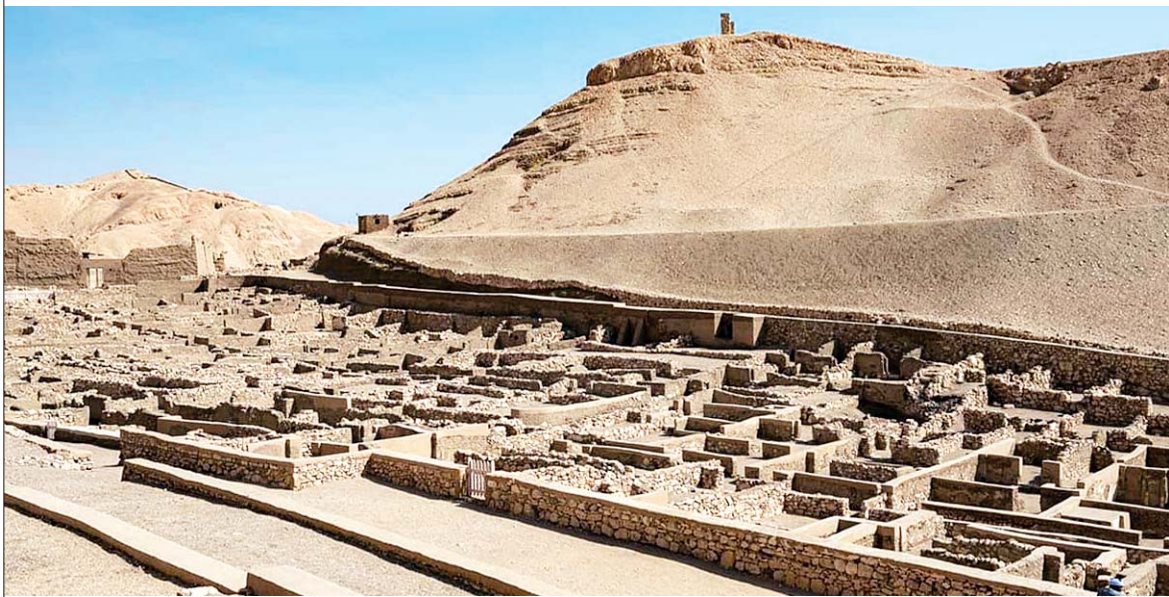
To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#DEIR EL-MEDINA

Voices from the Ancient Workplace

"I cannot come to work today. I am busy brewing beer."
"I cannot work today. My mother-in-law is visiting."



In the dry Egyptian desert, not far from Valley of the Kings, lies a small ancient village called Deir el-Medina. At first glance, it looks like just another archaeological site, but the discoveries made here reveal something extraordinary: the everyday voices of workers who lived more than 3,000 years ago.

Archaeologists exploring this settlement found thousands of broken pieces of pottery and limestone flakes known as ostraca. Instead of throwing them away, the workers used them as writing surfaces, much like sticky notes or text messages of the ancient world. And what they wrote on them is surprisingly familiar.

The Ancient Office Records

The people of Deir el-Medina were skilled craftsmen and laborers who built and decorated the tombs of pharaohs during Egypt's New Kingdom period. Their work was highly organized, and like modern workplaces, they kept detailed work logs and attendance records.

But among these official notes were very human messages, complaints, excuses,

and personal explanations for missing work.

One worker wrote a message that feels remarkably modern: "I cannot come to work today. I am busy brewing beer." Another recorded his absence with a family reason: "I cannot work today. My mother-in-law is visiting." These small fragments reveal something fascinating: even in ancient times, people struggled to balance work responsibilities and personal life.

Complaints About the Boss

The pottery shards also contain workplace grievances. Some workers openly complained about management, describing their supervisors as harsh or unreasonable. One complaint even suggested that the boss himself was more terrible than the work. It sounds like something someone might post today after a difficult day at the office. The only difference is that instead of typing it on social media, they scratched it onto a piece of pottery.

Hangovers and Everyday Drama

Some notes mention illnesses or fatigue that historians suspect may have been polite ways of

describing hangovers after drinking too much beer, a very common drink in ancient Egypt. Others describe family obligations, domestic disputes, or personal problems that prevented people from showing up for work.

In other words, the workers of Deir el-Medina dealt with:

- difficult bosses
- workplace stress
- family responsibilities
- social obligations
- and the occasional bad morning after a long night

Human Nature Has Not Changed

When we read these ancient notes today, one thing becomes very clear: human nature has not changed much in thousands of years.

The same struggles people faced then still exist today:

- balancing work and family life
- dealing with demanding managers
- coping with stress and exhaustion
- trying to explain why we cannot make it to work

The biggest difference is the medium. Three thousand years ago, people wrote their frustrations on broken pottery shards. Today, many people express the same feelings through messages, emails, or social media posts.

A Window into Real Lives

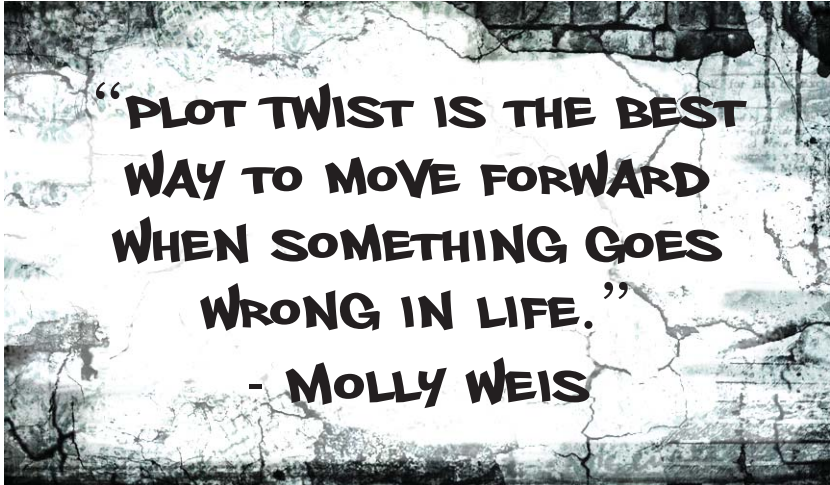
What makes Deir el-Medina so special is that it shows history not through kings and monuments, but through the voices of ordinary people. These pottery notes are small, informal, and sometimes humorous, but they reveal the real lives of workers in ancient Egypt.

They remind us that behind every grand pyramid or royal tomb were individuals dealing with everyday challenges, just like us.

Across thousands of years, the tools have changed, the workplaces have evolved, but the human experience of work, stress, family, and humor remains surprisingly the same.



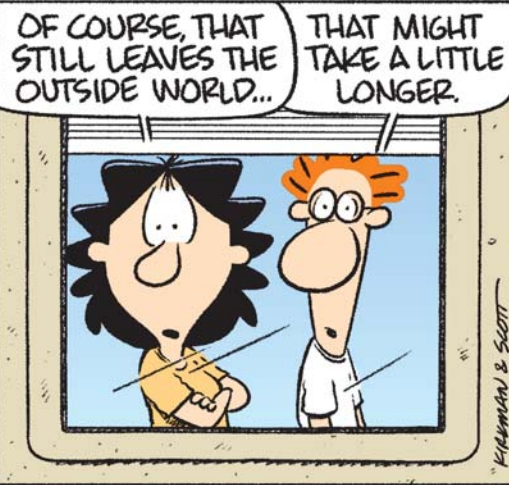
THE WALL



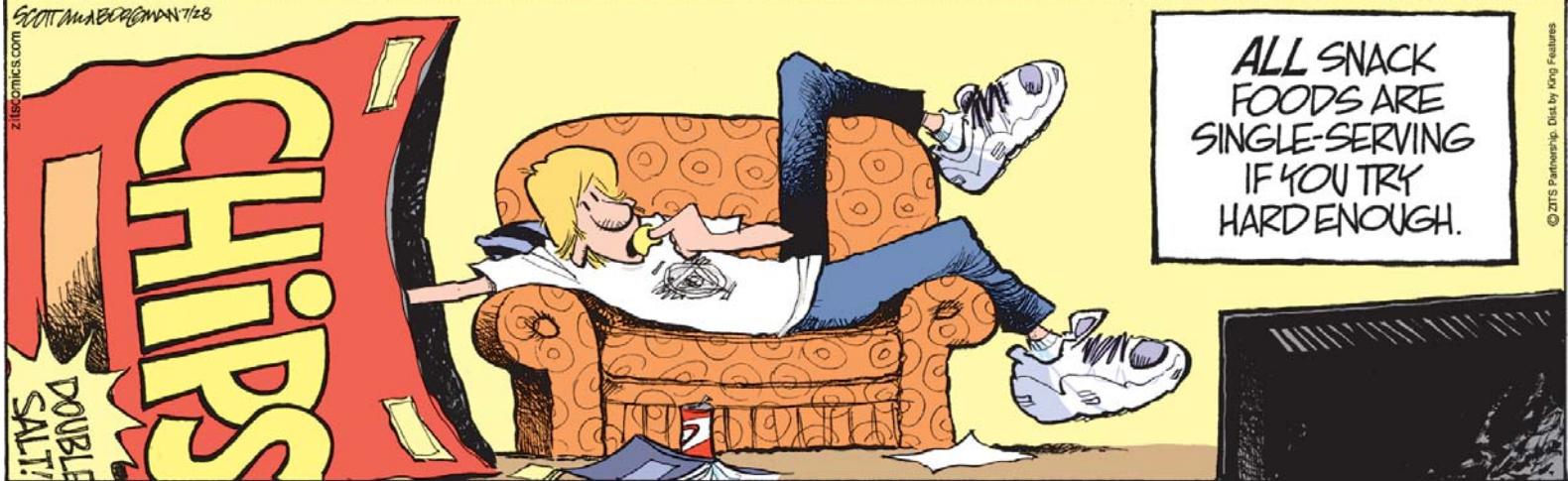
BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS



किसानों ने बताया कि लगातार हुई बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है।

40 वर्ष की सेवा में 17
बार जिला प्रशासन ने
किया सम्मानित

भीलवाड़ा में मां के हत्यारे
कलयुगी बेटे को उम्रकैद की सजा

लवणीय झील में हजारों अवैध बोरवेल के जरिए
हो रहे जल दोहन ने सांसद की चिंता बढ़ाई

राजस्थान में सरकार बदलने का मिथक टूटेगा : भाटिया

डॉ. विकास गुर्जर का आरपीएससी में सहायक आचार्य पद पर चयन

चुनाव आयोग को लेकर भाजपा ने की प्रेस वार्ता

सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल राजनीतिक गतिविधियों के लिए गंभीर सवाल : नेता प्रतिपक्ष

दधिमती माता
मंदिर में विवाद
बढ़ा

भगत सिंह को याद किया

अधेड़ महिला पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला

- ## इस्तेमाल राजनीतिक

1 जनवरी से एनसीआर क्षेत्र में नहीं चलेंगे डीजल के ऑटो रिक्शा

परियोजना की पाइपलाइन डालने के बिना खानापूर्ति का आरोप

नुकसान हो रहा है। लोगों का कहना है कि यदि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों का गुणवत्ता के साथ पुनर्निर्माण नहीं किया गया तो कुछ समय बाद इन रास्तों पर दोबारा सड़करी राशि खर्च करनी पड़ सकती है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और चंबल परियोजना से जुड़े अधिकारियों से मांग की है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सभी सड़कों और आम रास्तों का निरीक्षण कराया जाए।

नुकसान हो रहा है। लोगों का कहना है कि यदि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों का गुणवत्ता के साथ पुनर्निर्माण नहीं किया गया तो कुछ समय बाद इन रास्तों पर दोबारा सड़करी राशि खर्च करनी पड़ सकती है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और चंबल परियोजना से जुड़े अधिकारियों से मांग की है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सभी सड़कों और आम रास्तों का निरीक्षण कराया जाए।

विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत, पीहर पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

भरतपुर (निर्स)। मथुरा गेट थाना क्षेत्र के लक्ष्मी नगर में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पीहर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस को मौके से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है। मृतका की पहचान सुकीर्ति यादव के रूप में हुई है। वह गोविंद नगर, मडरपुर रोड की रहने वाली थी और उसका विवाह लक्ष्मी नगर में संत कृपाल स्कूल के पीछे हुआ था।

छोटी बेहन ने पीहर पक्ष को दी सूचना: मृतका के पिता राजेश कुमार यादव ने बताया कि रात करीब 11:53 बजे छोटी बेटी का फोन आया और उसने बताया कि सुकीर्ति की तबीयत खराब है और वह एक्सपायर हो गई है। इसके बाद पीहर



भरतपुर में विवाहिता की मौत के बाद अस्पताल के बाहर परिजन व ग्रामीण एकत्रित हो गए।

पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक ससुराल पक्ष के लोग महिला को अस्पताल लेकर जा चुके थे। राजेश कुमार यादव के अनुसार, वे अस्पताल पहुंचते तो पहले सुकीर्ति को अरोड़ा अस्पताल ले जाया गया था। वहां से उसे आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत

■ सुसाइड नोट भी मिला, मेडिकल बोर्ड से कराया पोस्टमार्टम

राजीनामे का भी किया जिक्र: मृतका के पिता ने बताया कि पहले परिवार में किसी बड़े झगड़े की जानकारी उन्हें नहीं थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि मौसी-मौसा की ओर से झगड़े की बात सामने आई थी और परिवार की ओर से पहले राजीनामा भी करवाया गया था। पीहर पक्ष ने मामले में दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौके से मिला सुसाइड नोट: पुलिस को घटनास्थल से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें मृतका ने अपने पति को संबोधित करते हुए जीवन, रिस्ते और अपने

फैसले को लेकर कई बातें लिखी हैं। नोट में थैंक यू प्रशान्त और आई लव यू खुश रहना जैसे शब्द भी लिखे बताए गए हैं। सुसाइड नोट में मृतका ने अपने पति को अपनी मौत के लिए दोषी नहीं ठहराने की बात लिखी है। हालांकि, पुलिस सुसाइड नोट की सत्यता, उसकी लिखावट और उसमें लिखी बातों की जांच कर रही है। एएसपी सिटी आशीमा वासमानी ने बताया कि रात करीब 4 बजे सूचना मिली थी कि एक महिला ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया गया। उन्होंने बताया कि मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है और एफएसएल जांच भी करवाई जा रही है। परिजनों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। मामले में सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सार-समाचार

दो ट्रकों में भिड़ंत, चालक घायल
निवाई/गुंसी(निर्स)। जयपुर कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गुंसी चौकी पर लगे पुलिस नाका के समीप मंगलवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे दो ट्रकों की भिड़ंत हो गई। जिसमें एक ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। निवाई सदर थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि ओलासपुरा, थाना डबलाना हिण्डोली निवासी पप्पू यादव पुत्र रामकिशन यादव महाराष्ट्र से केलों से भरा ट्रक लेकर मुहाना मंडी जयपुर जा रहा था। इसी दौरान गुंसी चेक पोस्ट के समीप आगे चल रहे ट्रौले ने अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे केलों से भरा ट्रक असंतुलित होकर उससे जा भिड़ा। जिससे ट्रक के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया व चालक उस हिस्से में फंस गया। धमाके की आवाज सुनकर चौकी प्रभारी हरिमन मोणा मय जाबते वहां पहुंचे और अन्य ट्रक चालकों की मदद से काफी मशकत के बाद ट्रक में फंसे चालक को बाहर निकाल कर उपजिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया। इस दौरान यातायात बाधित रहा। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रक को सड़क मार्ग से हटाकर यातायात सुचारु करवाया। पुलिस ने दोनों ट्रकों चौकी परिसर में खड़ा करवाकर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

ओबीसी का कोड रखकर जाति जनगणना कराने की मांग

टोंक(निर्स)। जिला कांग्रेस ओबीसी विभाग की ओर से जाति जनगणना में ओबीसी वर्ग के लिए अलग कोड निर्धारित कर गणना कराने की मांग को लेकर बुधवार को जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिलाध्यक्ष पंकज यादव के नेतृत्व में दिया गया। ज्ञापन में बताया कि सरकार द्वारा कराई जा रही जाति जनगणना में ओबीसी वर्ग के लिए अलग कोड रखा जाए, ताकि इस वर्ग की वास्तविक संख्या का सही आकलन हो सके और सरकार की विभिन्न योजनाओं में ओबीसी वर्ग को उसका उचित हक मिल सके। वही मौजूद पदाधिकारियों ने कहा कि यदि बिना कोड के जाति की गणना की गई तो एक ही जाति के अलग-अलग पर्यायवाची एवं प्रचलित नाम होने के कारण आंकड़ों में विसंगति की संभावना रहेगी। इससे ओबीसी वर्ग को आरक्षण एवं अन्य सरकारी लाभों से वंचित होने की स्थिति बन सकती है। ज्ञापन में जाति जनगणना को पारदर्शी, निष्पक्ष और ईमानदारीपूर्वक कराने तथा ओबीसी वर्ग की वास्तविक स्थिति दर्ज करने की मांग की गई। इससे कांग्रेस ओबीसी विभाग के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पंटाघर से कलेक्ट्री तक जुलूस निकाला और अपनी मांग के समर्थन में आवाज बुलंद की।

सड़क नहीं होने से रास्ते में भरा गंदा पानी
निवाई(निर्स)। बिडोली रोड से रामस्वरूप मोणा को ढाणी में जाने वाले आम रास्ते में सड़क नहीं होने से रास्ते में गंदा पानी भरा रहता है। जिससे दुर्गहिया वाहन चालकों, ढाणी वासियों, राहगीरों एवं छात्र छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ढाणी निवासी रामस्वरूप मोणा, किशन मोणा, शंकरलाल मोणा, मूलचन्द मोणा व हनुमान मोणा ने बताया कि बिडोली रोड से रामस्वरूप मोणा की ढाणी में जाने वाले आम रास्ते में करीब 500 मीटर तक सड़क नहीं होने से रास्ते में गंदा पानी भरा रहता है। जिससे दुर्गहिया वाहन चालकों, ढाणी वासियों, राहगीरों एवं छात्र छात्राओं को कींचड़ में से होकर गुजरना पड़ रहा है। जिससे उनकों भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ढाणी वासियों ने बताया कि विधायक रामसहाय वर्मा के प्रयासों से सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करीब 2 माह पूर्व इस रास्ते पर सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हो गया था। लेकिन बजट के अभाव में निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने विधायक रामसहाय वर्मा से शीघ्र सड़क का निर्माण करावने की मांग की है। जिससे ढाणी वासियों को राहत मिल सकें।

वैध पीयूसीसी के बिना वाहनों को ईंधन उपलब्ध नहीं कराया जायेगा

कोटमृतली, (निर्स)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग नई दिल्ली द्वारा वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण तथा वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जारी निर्देशों की अनुपालना में जिले के एनसीआर क्षेत्र में स्थित सभी पेट्रोल पंप।ईंधन केंद्रों पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। द्वारा 15 मई को जारी निर्देश संख्या 101 के अनुसार 01 अक्टूबर 2026 से एनसीआर क्षेत्र में स्थित ईंधन केंद्रों पर ऐसे वाहनों में ईंधन नहीं भरा जायेगा, जिनके पास वैध उपलब्ध नहीं है। वाहनों की पहचान प्रणाली अथवा अन्य तकनीक-सक्षम प्रणालियों या अन्य माध्यमों से की जा सकेगी। उक्त निर्देश के अनुसार केवल विशेष परिस्थितियों में जैसे चिकित्सकीय आपात स्थिति, कानून एवं व्यवस्था संबंधी इ्युटी, आपदा अथवा आपदा प्रतिक्रिया कार्यों तथा / राज्य सरकारों द्वारा विनिर्दिष्ट अन्य परिस्थितियों में ईंधन उपलब्ध कराने की अनुमति हो सकती है। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से भी अपील की गई है कि वे अपने वाहनों का वैध प्रमाण-पत्र सुनिश्चित रखें तथा वाहन के नियमित रखरखाव एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी निर्धारित मानकों का पालन करें। यह व्यवस्था वायु गुणवत्ता में सुधार तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संभागीय आयुक्त नलिनी कठोटिया का विदाई समारोह

भरतपुर (निर्स)। संभागीय आयुक्त नलिनी कठोटिया के सेवानिवृत्ति के अवसर पर बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान जिला कलेक्टर कमर चौधरी सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। समाार में अधिकारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी। संभागीय आयुक्त नलिनी कठोटिया ने अपने संबोधन में कहा कि करीब 11 महीने पहले जब उन्होंने भरतपुर में कार्यभार संभाला था, तो मन में थोड़ा संकोच और संशय था। भरतपुर को 2फ डिस्ट्रिक्ट और संशय माना जाता है, लेकिन यहां आने के बाद अधिकारियों, आमजन और मीडिया से मिले सहयोग ने काम को सहज बनाया।

‘टिकट जिताऊ को मिलेगा, बिकाऊ को नहीं कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करें’

कोटकासिम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक, चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के बायोडाटा लिए गए

किशनगढ़ बास(निर्स)। विधानसभा प्रभारी देव कसाना एवं विधायक दीपचंद खैरिया ने बुधवार को कोटकासिम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक लेकर जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों का शंखनाद कर दिया। विधायक ने बैठक में साफ कर दिया कि टिकट जिताऊ, टिकाऊ को मिलेगा, बिकाऊ को नहीं।

विधायक के निजी सहायक सुनील कांत गोल्डी ने बताया कि आगामी जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव को लेकर कोटकासिम में आयोजित बैठक में चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के बायोडाटा लिए गए बैठक में विधानसभा प्रभारी देव कसाना एवं विधायक दीपचंद खैरिया के नेतृत्व में

बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक को पीसीसी महासचिव अजीत यादव, प्रधान बन्नी प्रसाद सुमन, कोटकासिम ब्लॉक अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष व कोटकासिम प्रधान डॉ. विनोद कुमारी सांगवान, किसान नेता जसवंत यादव, एडवोकेट वीरनारायण यादव, खैरथल अनाजमंडी अध्यक्ष व पार्षद सर्वेश गुप्ता ने संबोधित किया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक दीपचंद खैरिया ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करें। बहुत से लोग टिकट मांगने आ रहे हैं, लेकिन टिकट एक ही आदमी को दिया जाएगा जो जिताने हो, टिकाऊ हो और किसान हो। कोई कर्मटियों द्वारा सर्वे करवाकर

टिकट का वितरण किया जाएगा। टिकट मिलने के बाद सभी को पार्टी हित में एकजुट होकर काम करना होगा। विधानसभा प्रभारी देव कसाना ने कहा नगर निकाय चुनाव में खैरथल नगर परिषद का चुनाव कांग्रेस के पक्ष में रहा। भाजपा ने तानाशाही करते हुए वहां अपना बोर्ड स्थापित कर लिया। लेकिन इस बार पंचायतीराज चुनाव में सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर दोनों पंचायत समितियों में कांग्रेस के प्रधान और जिला प्रमुख बनाएंगे। इस अवसर पर कोटकासिम शहर कांग्रेस अध्यक्ष चंदू सैनी, महेंद्र चौधरी, राजू चौधरी, कुलदीप ग्वाला, सतीश यादव, नवीन खैरिया, दीपक चौधरी, बंटी जोशी, शीशराम झाड़का, राजेश तंवर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साधारण सभा आयोजित

पावटा(निर्स)। प्रागपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति की 16वीं वार्षिक साधारण सभा समिति चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समिति व्यवस्थापक कैलाश चंद स्वामी ने समिति के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करने के साथ खाद-बीज के स्टॉक एवं समिति की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने किसानों को आगामी सर्शों एवं गेहूं की फसल के लिए खाद-बीज समय पर उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि पिछले 10 दिनों में समिति की ओर से किसानों को करीब 3 हजार कट्टे डीएपी उपलब्ध कराए गए हैं। वर्तमान में समिति के स्टॉक में 5 हजार कट्टे यूरिया, 1 हजार कट्टे एसएसपी, 500 कट्टे पोटाश सहित जिनस उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों को बिना किसी भेदभाव के सरल प्रक्रिया के माध्यम से व्याज मुक्त फसली ऋण उपलब्ध करवाने के साथ सहकारिता से जुड़ी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

कालाडेरा नदी क्षेत्र में सफाई होने के दो रोज बाद ही कचरे के ढेर लगे

चौमूं/ कालाडेरा(निर्स)। कालाडेरा नगर पालिका के नदी क्षेत्र में पांच बत्ती चौराहे के पास नगर पालिका की गाड़ियों द्वारा कचरे के साथ ही मृत मवेशी डालने को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया । स्थानीय लोगों ने कई बार नगरपालिका के अधिकारियों को इस समस्या से अवगत भी करवाया। लेकिन इस समस्या का समाधान नहीं हुआ। दो रोज पहले नगर पालिका की नव निर्वाचित अध्यक्ष उर्मिला कुमावत ने अपने निजी खर्च से जेसीबी लगाकर कचरे का निस्तारण

■ लोगों ने किया विरोध, ठेकेदार के लोग मृत मवेशी को वापस दुसरी जगह लेकर गए

करने का कार्य किया साथ ही मृत मवेशियों को भी जेसीबी की मदद से खड्डा खोदकर दबाने का कार्य करवाया गया। लेकिन नव निर्वाचित अध्यक्ष की इस पहल को दो ही दिनों में ठेकेदार के लोगों के द्वारा कचरे की भरी पिकअप व मृत मवेशी डालकर अध्यक्ष की स्वच्छता की मुहिम को पलित लगाने का काम किया है। इस गंदगी के कारण आने-जाने वालों को भारी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष ने कचरे को साइड में करवा कर उसे पर मिट्टी डलवाने का काम चालु किया लेकिन दो दिन बाद नगर पालिका के एक कर्मचारी ने नदी क्षेत्र में पिकअप में भरे हुए मवेशी व कचरा डालने का काम बन्द नहीं किया।



गाड़ियों द्वारा कचरे के साथ ही मृत मवेशी डालने को लेकर लोगों ने विरोध किया।

मृत मवेशी डालने से आसपास के क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को हर बार की तरह नगर पालिका के वाहन से मृत मवेशी व कचरा डालने के दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध किया मौके पर एकत्रित लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए नदी क्षेत्र से कचरा व मृत मवेशी नहीं डालने की मांग की।

डीग पुलिस ने 2 करोड़ रुपए मूल्य के 4 2 6 गुमशुदा मोबाइल बरामद किए

पिछले 2 महीने की लगातार मेहनत, तकनीकी निगरानी एवं टीम के समन्वित प्रयासों के बाद डीग पुलिस को मिली महत्वपूर्ण सफलता

डीग भरतपुर (निर्स)। पुलिस ने आमजन के गुमशुदा एवं खोए हुए मोबाइल फोंनों की बरामदगी तथा उन्हें उनके वास्तविक धारकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पिछले दो माह में विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान चला कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ कांसेले ने बताया है कि अभियान के तहत साईबर सैल डीग द्वारा भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के दर्ज शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये विभिन्न कम्पनियों के लगभग 2 करोड़ रुपये की कीमत के 426 गुमशुदा ऐन्ड्रॉइड मोबाईल फोंनों को विभिन्न स्थानों से बरामद किया गया है। बरामद किए गए मोबाइल फोंनों की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपये है। पुलिस द्वारा आवश्यक सत्यापन एवं वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ कांसेले के द्वारा एक विशेष कार्यक्रम के दौरान इन मोबाइल फोंनों को उनके वास्तविक धारकों को सुपुर्द किया गया।



‘ऑपरेशन मुस्कान’ के तहत डीग पुलिस ने आमजन के गुमशुदा एवं खोए हुए मोबाइल फोंनों की बरामदगी कर वास्तविक धारकों को सुपुर्द किए।

लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने से मोबाइल मालिकों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। भारत सरकार के दूरसंचार विभाग सी, डीओटी द्वारा आम नागरिकों हेतु अपने खोए हुए मोबाईल फोन को ढूँढने एवं उसे ब्लॉक

/अनब्लॉक करने हेतु साइबर पोर्टल बनाया है। कोई भी व्यक्ति वेबसाइट पर जाकर अपने खोए हुए या चोरी हुए मोबाईल को ढूँढने और उसे ब्लॉक /अनब्लॉक कर सकता है। यदि आपका मोबाइल गुम या चोरी हो जाता है, तो

तत्काल नजदीकी पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराएं। किसी भी अज्ञात या लावारिस मोबाइल का उपयोग न करें और न ही बिना बिल के पुराना मोबाइल खरीदें। साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहें और अपने व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रखें।

ललाना-मांजूकोट मार्ग पर जलभराव से बड़ी समस्या, राहगीर परेशान

पावटा(निर्स)। नगरपालिका क्षेत्र के ललाना-मांजूकोट से होकर गुजरने वाली सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति से गुजर रही है। क्षतिग्रस्त सड़क पर लगातार जलभराव रहने से जगह-जगह कीचड़ फैल गया है, जिससे वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जमा पानी और कीचड़ के कारण दुर्घिया वाहन चालकों के फिसलने से हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में पानी की निकासी के लिए पर्याप्त नाली व्यवस्था नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़क पर ही जमा हो रहा है।

■ गंदे पानी की निकासी व्यवस्था के अभाव में सड़क पर जमा गंदा पानी, हादसे और बीमारी का खतरा

लंबे समय से पानी जमा रहने के कारण सड़क पर कीचड़ की स्थिति बनी हुई है, वहीं दुर्गंध के साथ मच्छर-मकियों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। इससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी के साथ ही संक्रमण फैलने की चिंता भी सता रही है।

के साथ क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को लेकर भी स्थानीय लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि नियमित सफाई और पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं होने से समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। बारिश के बाद स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है तथा सड़क से गुजरना लोगों के लिए मुश्किल हो जाता है। वार्ड पार्षद विनोद यादव,

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए मोती लाल बने ‘किसान ब्राण्ड एम्बेसेडर’



मोती लाल कुमावत को राज्य स्तर पर किसान ब्राण्ड एम्बेसेडर एवं ट्रेनर की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जयपुर, (निर्स)। राजस्थान में जैविक, परंपरागत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को गौ-आधारित, टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों से जोड़ने की दिशा में कृषि विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने ग्राम बिचून, तहसील मौजमाबाद के प्रागतिशील कृषक मोती लाल कुमावत को राज्य में जैविक, परंपरागत एवं प्राकृतिक खेती के प्रचार-प्रसार के लिए ‘किसान ब्राण्ड एम्बेसेडर एवं ट्रेनर’ नियुक्त किया है। कृषि आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के उदयपुर दौरे के दौरान किसानों के साथ चीपाल में संवाद के दौरान प्राकृतिक एवं गौ-आधारित खेती के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और सफल प्रयासों को प्रोत्साहन देने की दिशा में प्रेमचंद कपाया को ब्राण्ड एम्बेसेडर बनाया गया था। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए मोती लाल कुमावत को भी राज्य स्तर पर किसान ब्राण्ड एम्बेसेडर एवं ट्रेनर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नरेश कुमार ने बताया कि श्री मोती लाल द्वारा जैविक, परंपरागत एवं प्राकृतिक खेती विषय पर दी गई प्रस्तुति

■ राज्यभर में कृषक प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं में मास्टर ट्रेनर के रूप में देंगे सेवाएं

अत्यंत प्रभावी एवं सराहनीय रही। खेती को इन पद्धतियों के प्रति उनके समर्पण, व्यावहारिक अनुभव तथा किसानों के बीच प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि को लोकप्रिय बनाने की क्षमता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। कुमावत राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं में मास्टर ट्रेनर के रूप में सेवाएं देंगे। वे किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की तकनीकों, गौ-आधारित कृषि, स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में अपने खेत-स्तरीय अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान साझा करेंगे। कृषि विभाग द्वारा उनके प्रशिक्षण एवं प्रचार-प्रसार से संबंधित कार्यक्रमों के दौरान यात्रा, परिवहन, भोजन सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

टोंक में आगामी पंचायती चुनावों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने टोंक में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक ली।

टोंक(निर्स)। पंचायत राज चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने जिला भाजपा कार्यालय में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में आगामी पंचायत राज चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से चुनाव को लेकर पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के दम पर हमने निकाय चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल किया है, भाजपा संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण से मजबूत होता है तथा चुनावों में बू्ध स्तर तक संगठन की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण रहती है। बैठक के दौरान पंचायत राज चुनाव को लेकर क्षेत्रवार तैयारियों, कार्यकर्ताओं के आपसी समन्वय, संगठन की गतिविधियों तथा आमजन तक पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को पहुंचाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बू्ध स्तर तक संपर्क बढ़ाने तथा आमजन के बीच संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने

का आह्वान किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यलय में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में आगामी पंचायत राज चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है, पार्टी का उद्देश्य संगठन को और मजबूत करना तथा कार्यकर्ताओं को चुनावी जिम्मेदारियों के लिए तैयार करना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन के कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं बैठक में कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने एकजुटता से पंचायतीराज चुनाव में लड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला प्रभारी रामानंद गुर्जर, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, विधायक राजेंद्र गुर्जर, पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, पूर्व जिला अध्यक्ष गणेश माहुर, सतीश चंदेल, दीपक संगत, पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाड़ोलीया, संत कुमार जैन, शैलेंद्र चौधरी, नीलिमा आमरा, बीना छामुनिया, सहित पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकरी उपस्थित रहे।

आरसीए प्रशासक भास्कर ए सावंत के प्रयासों से बीसीसीआई ने आरसीए को रिलीज किये 30 करोड़ रुपये

जयपुर 30 सितम्बर ,माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन के लिए नियुक्त प्रशासक वरिष्ठ आईएएस श्री भास्कर ए सावंत (अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग) के प्रयासों से बीसीसीआई ने राजस्थान क्रिकेट संघ को 30 करोड़ रुपये की टांट जारी की। आरसीए प्रशासक वरिष्ठ आईएएस श्री भास्कर ए सावंत (अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग) ने पिछले दिनोंबीसीसीआई की में राजस्थान क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया था व इस दौरान बीसीसीआई सचिव देवजीतसेकिया से मुलाकात कर उन्हें राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र की तैयारियों व आयोजन की सभी जानकारी देते हुए उनसे आरसीए के बैंक लोन की जिम्मेदारी व घरेलू क्रिकेट सत्र के आयोजन हेतु वार्षिक टांट

को जल्द से जल्द जारी करने की आवश्यकता के सम्बन्ध में अवगत कराया। आज बीसीसीआई ने राजस्थान क्रिकेट संघ को 30 करोड़ रुपये की टांट राशि जारी कर दी व आरसीए प्रशासक के निर्देशानुसार आरसीए ने पंजाब नेशनल बैंक द्वारा आरसीए को दिए गए 35 .7 करोड़ के बैंक की समस्त राशि मई ब्याज बैंक को वापस लौटते हुए बैंक द्वारा आरसीए के बैंक अकाउंट को आज पनपीए करने की परिस्थिति को न केवल दूर किया साथ ही आरसीए को वार्षिक करोड़ों रुपये की देनदारी से भी राहत दिलाई। आरसीए बैंक अकाउंट के एनपीए नहीं होने से अब राजस्थान क्रिकेट संघ की सभी गतिविधियां सुचारु रूप से जारी रहेंगी जिसका भरपूर लाभ राजस्थान के युवा खिलाड़ियों को मिलेगा व राज्य में खेल के विकास को गति मिलेगी।



लवलीना बोरगोहेन लगातार दूसरे फाइनल में, प्रिया-कपिल को कांस्य पदक

नई दिल्ली। लवलीना बोरगोहेन ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने महिलाओं की 75 किलो कैटेगरी के सेमीफाइनल में 3-2 से जीत हासिल की। वह तीसरी भारतीय बॉक्सर हैं जो इन खेलों के फाइनल में पहुंची है। प्रिया धनघस और कपिल पोखरियालको कांस्य से संतोष करना पड़ा। प्रिया को महिलाओं की 60 किलो कैटेगरी के सेमीफाइनल में हार मिली। वह दूसरी भारतीय हैं जिन्होंने एशियन गेम्स 2026 में कांस्य जीता। उनसे पहले नरेंद्र बरवाल को भी कांसा मिला था। वहीं कपिल को 90 प्लस कैटेगरी में शिकस्त झेलनी पड़ी। लवलीना ने तीन साल पहले हुए एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था। अबकी बार उनसे पास गोल्ड जीतने का मौका रहेगा। उनकी फाइनल में टक्कर चीन की जियी बाओ से होगी। लवलीना ने सेमीफाइनल में कजाखस्तान की नताल्या बोगडानोवा को 3-2 के अंतर से हराया। कजाख बॉक्सर 70 किलो कैटेगरी में वर्ल्ड चैंपियन है। लवलीना उन्हें हराकर लगातार दो बार एशियन गेम्स फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बॉक्सर बनीं। इससे पहले 20 साल की प्रिया का सफर सेमीफाइनल में खत्म हो गया। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट को 4-1 से चीनी बॉक्सर से मात मिली। प्रिया को हराने वाली यांग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के कांस्य पदक विजेता हैं। कपिल को 90 प्लस किलो भारवर्ग मेंउज्बेकिस्तान के तुराबेक खबिबुलाएव ने 4-1 से मात दी। लवलीना से पहले ये भारतीय बॉक्सर भी फाइनल में पहुंचे: एशियन गेम्स 2026 में लवलीना से पहले परवीन हुड्डा (महिला 65 किलो) और अंकुश पंचाल (पुरुष 80 किलो) फाइनल में पहुंचे। भारतीय बॉक्सर्स ने इस बार छह मेडल तय किए हैं। इनमें से तीन कांस्य हो चुके हैं जबकि तीन का रंग अभी तय होना है।पिछले एडियन में भारत की बॉक्सिंग में चार ही पदक मिले थे। तब एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज आए थे।

तीरंदाजी में गोल्ड की हैट्रिक, महिलाओं के बाद पुरुषों को सुनहरी सफलता, चीन को हराया

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए भारत को एशियन गेम्स 2026 में तीसरा और कुल 10वां गोल्ड मेडल दिलाया. साहिल जाधव, कुशल दलाल और गणेश माणिलत्म को पुरुष टीम ने चीन को हराते हुए स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम ने एक अंक के अंतर से चीन को मात दी। भारत ने 238-237 के अंतर के साथ गोल्ड जीता। पुरुष टीम से पहले भारतीय महिला टीम और मिक्सड टीम ने भी गोल्ड जीता। भारत ने पिछले एशियन गेम्स में महिला टीम, पुरुष टीम और मिक्सड टीम इवेंट में गोल्ड जीता। इस बार इन तीनों को बचा लिया। मिक्सड टीम ने तो 2028 ओलिंपिक का कोटा भी हासिल किया। भारत पहली टीम बना जिसने तीरंदाजी में यह कमाल किया है। भारतीय तीरंदाजों के कमालसे भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या एशियन गेम्स 2026 में दहाई में चली गई। साथ ही भारत पदक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गया। भारत के नाम अब 10 गोल्ड, 21 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज मेडल हैं। एशियन गेम्स 2026 पदक तालिका में पदकों की कुल संख्या के मामले में भारत चौथे नंबर पर है। मगर गोल्ड की कम संख्या के चलते वह सातवें नंबर पर है। भारतीय पुरुष टीम ने कैसे चीन को भूल चटाई: भारतीय पुरुष टीम का फाइनल में आगाज अच्छा नहीं रहा था। पहले गेम में दो तीर नौ पर लगे। इससे भारत दो अंक पीछे हो गया। चीनी तीरंदाजों की तरफ से तीसरे गेम में एक निशाना नौ पर लगा। इससे स्कोर में महज एक अंक से भारत पीछे रहा। आखिरी गेम में चीन की तरफ से एक बड़ी गलती हुई। उसके एक तीरंदाज जियाहाओ लियाओ ने ने आठ पर निशाना लगा दिया। इससे भारत एक अंक की पिछड़न से उबरते हुए आगे हो गया। भारतीय तीरंदाजों ने अपने सभी तीर निशाने पर लगाए और गोल्ड जीत लिया। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 234-233 के अंतर से मात दी थी। भारत ने पिछले एशियन गेम्स में कुल पांच गोल्ड मेडल तीरंदाजी में जीते थे।

टीम स्टर्नहेगन ने एकतरफा मुकाबले में 11-5.5 के स्कोर से टीम नेवी पोलो को हराया



जयपुर, 30 सितंबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत भावनगर पोलो ट्रांफी (08 गोल्स) के लिए बुधवार को पीपीसी टाउंड पर टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला खेला गया। यह एकतरफा मैच टीम स्टर्नहेगन और नेवी पोलो के बीच हुआ, जिसमें टीम स्टर्नहेगन 11-5.5 के स्कोर से विजेता बनीं। विजेता टीम स्टर्नहेगन के लिए डेन जोशुआ सीसाजर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले 7 गोल दागे। डीनो धनखड़ और अशोक चांदना ने 2-2 गोल किए।

टीम से एलन शॉन माइकल भी खेले। दूसरी ओर, टीम नेवी पोलो से सलीम आज़मी ने 3 गोल, कैप्टन एपी सिंह और नवीन सिंह ने 1-1 गोल किया। टीम में आर्यमान सिंह भी शामिल रहे। यहां टीम नेवी पोलो को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ।

आज का मुकाबला: भावनगर पोलो ट्रांफी के लिए कल राजस्थान पोलो क्लब टाउंड पर शाम 5 बजे से टीम स्टर्नहेगन और टीम मेफेयर पोलो के बीच मुकाबला होगा।

एशियाई खेल 2026 2026 में भारत के अब तक 10 गोल्ड, खिलाड़ियों ने कहा-कहां मारी बाजी?

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में चल रहेएशियन गेम्स 2026में लगभग 500 भारतीय खिलाड़ी मेडल के लिए मुकाबला कर रहे हैं। एशियाड के 12वें दिन तक भारत ने 10 गोल्ड, 21 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज समेत कुल 59 मेडल अपने नाम कर लिए हैं। इन 10 गोल्ड में से भारत ने चार गोल्ड तो 12वें दिन यानी 30 सितंबर को जीते। विमंस 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में एलावेनिल वलारिवन, सोमन और विदर्श विनोद में सिल्वर जीतकर एशियाड 2026 में भारत के मेडल का खाता खोला, मगर गोल्ड का खाता भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने खोला।

भारत ने इन इवेंट में जीता गोल्ड: पहला गोल्ड- हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 22 सितंबर को फाइनल में श्रीलंका को हराकर भारत को इस एशियन गेम्स का पहला गोल्ड दिलाया दूसरा गोल्ड-भारत को दूसरे गोल्ड के लिए काफी इंतजार करना पड़ा और 25 सितंबर को कमलजीत और सुरुचि सिंह की जोड़ी ने मिक्सड 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग इवेंट में जीता था।

तीसरा गोल्ड- भारत की महिला कबड्डी टीम ने 26 सितंबर को ईरान को हराकर भारत के लिए इस एशियाड का तीसरा गोल्ड जीता। चौथा गोल्ड- महिला टीम के बाद भारत की पुरुष टीम ने 26 सितंबर को कबड्डी में गोल्ड जीता।फाइनल में भारत ने ईरान को मात दी। पांचवा गोल्ड-भारत को दूसरे गोल्ड के लिए काफी इंतजार करना पड़ा और 25 सितंबर को कमलजीत और सुरुचि सिंह की जोड़ी ने मिक्सड 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग इवेंट में जीता था।

छठा गोल्ड-किरण पहल, पूर्वममा मचेतरा, प्राची चौधरी,विथ्या रामराज ने मिलकर 29 सितंबर को भारत की झोली में छठा गोल्ड डाला।महिलाओं की 4 400 मीटर रिले में भारत ने गोल्ड जीता।

सातवां गोल्ड-भारत ने 30 सितंबर को आर्चरी में कमाल किया। चिकिता तनिपर्थी, ज्योति सुरेखा नेत्रम और पृथिका प्रदीप की तिकड़ी ने महिला टीम कंपाउंड में गोल्ड जीता।

एशियन मास्टर्स तैराकी में अब ज्यादा भारतीय तैराकों को मौका

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी तैराक पात्र, टॉप-2 स्टेट चैंपियन को भी प्रवेश, हर यूनिट को 5-5 वाइल्ड कार्ड एंट्री भी

जयपुर। भारत में पहली बार होने जा रही दूसरी एशियन मास्टर्स स्विमिंग चैंपियनशिप में भारतीय तैराकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने पात्रता नियमों में बड़ी छूट दी है। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने आज यहां बताया कि फेडरेशन की ओर से जारी नये दिशा-निर्देशों के अनुसार अब राष्ट्रीय मास्टर्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेकर अपनी रेस पूरी करने वाला हर तैराक एशियन चैंपियनशिप में भाग ले सकेगा। इसके अलावा राज्य चैंपियनशिप में भाग ले सकेंगे। इसके अलावा राज्य चैंपियनशिप में प्रत्येक इवेंट में पहले और दूसरे स्थान पर रहने वाले तैराकों को भी प्रवेश का अवसर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि एशियन मास्टर्स चैंपियनशिप में

व्यापक भारतीय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राज्य इकाइयों और मास्टर्स तैराकों से मिले अनुरोधों की समीक्षा के बाद नये दिशा-निर्देशों में अतिरिक्त पात्रता और वाइल्ड कार्ड एंट्री की व्यवस्था की गई है। राष्ट्रीय मास्टर्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाले तैराक अपनी पूरी की गई रेस के अलावा इन इवेंट्स में भी प्रवेश ले सकेंगे, जिनमें वे शीर्ष छह में नहीं रहे हैं।

व्यास ने कहा कि राज्य स्तर पर जिन इकाइयों ने अपनी मास्टर्स चैंपियनशिप आयोजित की है, वे प्रत्येक इवेंट में पहले और दूसरे स्थान पर रहे तैराकों को एशियन चैंपियनशिप के लिए भेज सकेंगे। ये तैराक केवल उन्हीं इवेंट्स में प्रवेश ले सकेंगे, जिनमें उन्होंने पहला या दूसरा स्थान हासिल किया है।

इसके अलावा प्रत्येक संबद्ध सदस्य इकाई अधिकतम पांच पुरुष और पांच महिला तैराकों को वाइल्ड कार्ड के जरिए नामित कर सकेंगी। इनमें वे तैराक भी शामिल हो सकते हैं, जो राज्य या राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले सके। वाइल्ड कार्ड से नामित तैराक अधिकतम दो इवेंट में ही भाग ले सकेंगे।

भारतीय महिला की टीम फाइनल में पहुंची, 44 साल बाद गोल्ड पर नजर, ओलंपिक टिकट से भी बस एक जीत दूर

नई दिल्ली। जबर्दस्त फॉर्म में चल रही भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को नागोया में खेले जा रहेएशियन गेम्स 2026के फाइनल में जगह बना ली है।टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से हराकर एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल का 44 साल का इंतजार खत्म करने की उम्मीद जगा दी है।भारत के लिए इशिका चौधरी (44वें मिनट) और कप्तान सलीमा टेटे (48वें मिनट) ने गोल किए।भारत अब एशियन गेम्स में महिला हॉकी का अपना दूसरा गोल्ड मेडल जीतने से बस एक जीत दूर है।इससे पहले भारत ने 1982 के नई दिल्ली खेलों में गोल्ड मेडल जीता था।फाइनल में भारत का मुकाबला मौजूदा चैंपियन चीन से होगा। फाइनल में चीन को हराने का मतलब होगा कि भारतीय महिला टीम 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक का भी टिकट हासिल कर लेगी।

फाइनल में पहुंचकर भारतीय टीम ने कम से कम मेडल पक्का कर लिया है।उन्होंने पिछले एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, फिर वे ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। उसके बाद हाल में हुए वर्ल्ड कप में उन्होंने बहुत शानदार प्रदर्शन किया और अब अगर वे शुक्रवार को चीन को हरा देती हैं तो उनके पास गोल्ड मेडल जीतने का पुरा मौका है।



आरसीए आयोजित करेगा अंडर 23

सवाई माधोपुर टीम की चयन ट्रायल 3 अक्टूबर 2026 को जयपुर में

जयपुर 30 सितम्बर, आरसीए सवाई माधोपुर जिला (अंडर 23 ट्रांफी) टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल 3 अक्टूबर 2026 को आरसीए अकादमी क्रिकेट टाउंड, जयपुर में आयोजित करेगा आरसीए के तत्वाधान में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सवाई



माधोपुर जिला क्रिकेट संघ अंडर 23 टीम के चयन हेतु आरसीए द्वारा अधिकृत ओपन चयन ट्रायल आगामी 3 अक्टूबर को प्रातः 10.00 बजे आरसीए अकादमी क्रिकेट ग्राउंड , जयपुर पर आयोजन किया जायेगा चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाड़ी का जन्म दिनांक 1 सितम्बर 2003 या उसके बाद होना आवश्यक है।

आज से शुरू होगा क्वालिफाइंग राउंड

ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन



जयपुर। ऑल इंडिया सब जूनियर अंडर-15 एवं अंडर-17 बैडमिंटन रैंकिंग प्रतियोगिता गुरुवार से सवाई मानसिंह स्टेडियम में होगी। पहले दिन क्वालिफाइंग राउंड के मुकाबले खेले जाएंगे। क्वालिफाइंग राउंड 5 अक्टूबर तक चलेगा। प्रतियोगिता के चीफ रेफरी केरल के हबीब रहमान ने क्वालिफाईंग मुकाबलों का ड्रा निकाला। सोमवाल ने किया। इस अवसर पर पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। पोस्टर विमोचन के दौरान प्रस वार्ता में एसपी लोकेश नसीबाल ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य पुलिस एवं युवाओं के बीच आपसी सहभागिता को मजबूत करना है।

अंडर-17 बालक एकल वर्ग में कर्नाटक के श्याम बिंदीगानावेल को प्रथम तथा तमिलनाडु के लक्ष्मण आर.के. को द्वितीय वरियता दी गई है। बालिका अंडर-17 एकल वर्ग में तमिलनाडु की रिक्षिता सिंघा को प्रथम तथा हरियाणा की नय्या सिंह को दूसरी वरियता मिली। प्रतियोगिता पहले दिन 500 से अधिक मैच खेले जाएंगे। मुकाबले सुबह 8 बजे से शुरू होंगे। क्वालिफाईंग राउंड में राजस्थान के 250 लड़के व लड़कियां मुख्य ड्रा के दावेदारी पेश करेंगे। प्रतियोगिता के दौरान दोनों वर्गों के एकल, युगल व मिश्रित युगल के मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के लिए 2500 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

भारत बनाम विंडीज : भारत ने आकिब नबी का कराया डेब्यू

नई दिल्ली। भारत ने वेस्ट इंडीज के सामने गुवाहाटी में हो रहे दूसरे वनडे में तेज गेंदबाजआकिब नबीका डेब्यू कराया। विकेटकीपर बल्लेबाजकेएल राहुलने उन्हें टीम इंडिया की कैप दी। अल्लारुअंडर नीतीश कुमार भारत की प्लेइंग इलेवन से बाहर गए हैं। भारत ने इसके तहत तीन स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का फैसला किया है। आकिब के साथ गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा बाकी दो पेसर होंगे। कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और नमन धीर बाकी बॉलिंग विकल्प होंगे। आकिब नबी भारत के लिए खेलने वाले तीसरे जन्म कश्मीर के क्रिकेटर हैं। उनसे पहले परवेज रसूल और उमरान मलिक भारत के लिए खेल चुके हैं। नबी को अगस्त में भारतीय टेस्ट टीम में भी चुना गया था। लेकिन डेब्यू का मौका नहीं मिला था। वे पिछले दो रणजी सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं।

शुभमन गिल ने बताया क्यों ली पहले बॉलिंग: भारत ने गुवाहाटी में टॉस जीता और कप्तान शुभमन गिल ने पहले बॉलिंग करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि इस पिच पर शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। पिच पर अतिरिक्त घास है। समझा

कबड्डी-खो-खो से लेकर तीरंदाजी तक खिलाड़ियों ने दिखाया दम

गंगापु्र सिटी 30 सितम्बर। 70वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, जुडो, सांपटबॉल, तीरंदाजी सहित अन्य खेलों में मुकाबले हुए। सात दिन तक चली प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन हुआ।

समापन समारोह में पीईईओ महीलाल मीणा पावटा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि अध्यक्षता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहचा का पुरा के प्रधानाचार्य हरदयाल बैरवा ने की।

जाता है कि इसी वजह से भारत ने नीतीश की जगह आकिब नबी को खिलाने का फैसला किया। वे गुरनूर बराड़ के साथ नई गेंद का जिम्मा संभाल सकते हैं।

वेस्ट इंडीज में चार बदलाव: वहीं वेस्ट इंडीज ने दूसरे वनडे के लिए चार बदलाव किए हैं। पिछले वनडे में शतक लगाने वाले जस्टिन प्रीन्ज चोट की वजह से बाहर हो गए।उनके अलावा ज्वेल एंड्रयू, मैथ्यू फॉर्ड और गुडाकेश मोती भी बाहर गए हैं। इनकी जगह शेरफन रदर्फोर्ड, कोमो पॉल, विटेल लावेस और शमार जोसेफ को लाया गया है।

भारत की प्लेइंग इलेवन: रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, रवींद्र जडेजा, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा। **वेस्ट इंडीज की प्लेइंग इलेवन:** जॉन कैपवेल, कीसी कार्टी, शे होप (विकेटकीपर/कप्तान), आमिर जांगू, शेरफेन रदर्फोर्ड, रोस्टन चेज, कोमो पॉल, अलजारी जोसेफ, शमार जोसेफ, जायडन सील्स, विटेल लावेस।

34 साल का रणजी सूखा खत्म करने के लिए पंजाब को बड़ा दांव

नई दिल्ली। पंजाब की टीम रणजी ट्रांफी का पिछले 34 साल के इंतजार कर रही है और इस इंतजार को खत्म करने की कोशिश में पंजाब ने बड़ा दांव खेला है। इसके लिए वे अपने पारंपरिक तरीके से हटकर 2026-27 के घरेलू सीजन के लिए भारत के 38 साल के तेज गेंदबाज उमेश यादवको गेस्ट प्लेयर के तौर पर साइन कर रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन () के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि उमेश एसोसिएशन द्वारा साइन किए गए पहले गेस्ट प्लेयर होंगे।

भारत के लिए 55 टेस्ट, 75 वनडे और नौ 20 मैच खेल चुके उमेश को विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन () से नो-अब्जेक्शन सर्टिफिकेट () मिल गया है और वे इस सीजन में पंजाब के लिए खेलेंगे। के अध्यक्ष अमरजीत मेहता ने अनुभवी तेज गेंदबाज के विदर्भ से पंजाब आने की पुष्टि की।

खिताब दिला सकते हैं उमेश: मेहता का कहना है कि एक बॉलर के तौर पर उनकी काबिलियत साबित हो चुकी है। उन्होंने विदर्भ के साथ रणजी ट्रांफी जीती है और भारत के लिए भी शानदार बॉलिंग की है।जब उनसे ऐसे खिलाड़ी को साइन करने के फैसले और इस ऐतिहासिक कदम के बारे में पूछा गया जो तीन सप्ताह में 39 साल के हो जाएंगे तो मेहता ने कहा कि हमने यह फैसला रेड-बॉल क्रिकेट को ध्यान में रखकर लिया है।पंजाब ने 1992 के बाद से रणजी ट्रांफी नहीं जीती है और हमें लगता है कि उमेश ही वो खिलाड़ी हैं जो हमें यह खिताब दिला सकते हैं।

एशियाई खेल : भारतीय महिला स्क्वाॉश टीम सेमीफाइनल में पहुंची, मेडल किया पक्का

नई दिल्ली। भारतीय महिला स्क्वाॉश टीम एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में पहुंच गई। उसने 30 सितंबर को सिंगापुर को 2-0 से हराते हुए मेडल पक्का किया। तन्वी खन्ना और अनाहत सिंह ने पहले दो मुकाबले जीते। इसके साथ ही भारतीय सेमीफाइनल में चली गई। भारत ने पिछले एशियन गेम्स में भी इस इवेंट में कांस्य पदक जीता था। अबकी बार पदक का रंग बदलने का मौका होगा। भारतीय महिला टीम को 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल मैच खेलना है। अभी उसकी विरोधी टीम पर फैसला नहीं हुआ। तन्वी खन्ना ने पहले मुकाबले में ओ यिऑंग वाई लिन को 32 मिनट तक चले मुकाबले में 11-6 4-11 15-13 11-1 से हराकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। भारतीय खिलाड़ी दूसरे गेम में पिछड़ी और तीसरे में करीबी टक्कर हुई। लेकिन चौथे गेम को एकतरफा अंदाज में जीतकर तन्वी ने भारत को बहुत दिला दी। दूसरे गेम में अनाहत सिंह ने 22 मिनट के अंदर ओ यिऑंग वनाई यान को 11-7 11-3 11-4 से हराकर भारत को जीत दिला दी। अनाहत ने सिंगापुर की खिलाड़ी को मौका नहीं दिया।

